राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 रुपए
जिगसा
सुपर कमांडो ध्रुव
एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

इन्सान हमेशा से अपने भविष्य की खोज में व्यस्त रहता है, लेकिन अपने बीते हुए वक्त की तरफ मुड़कर भी नहीं देखता! पर जो इन्सान अपने अतीत को ढूंढने पर मजबूर हो जाता है, वही समझ सकता है कि अपने भूतकाल की तलाश करना कितना मुश्किल होता है। खासतौर से ऐसा इन्सान जिसका अतीत होता तो है, पर उसके बारे में उसने न तो कभी सुना होता है और न देखा। जैसे सुपर कमांडो ध्रुव!
मैं जब से अपना अतीत ढूंढने निकला हूं, तब से तुम मेरे रास्ते में रोड़े अटका रहे हो, जिगसा! मैं तब तक अपने अतीत तक नहीं पहुंच पाऊंगा जब तक मैं यह पहेली नहीं सुलझा लेता कि तुम कौन हो!
यह रहस्य मेरे अलावा या तो मेरे कुछ चुनिन्दा विश्वसनीय आदमी जानते हैं, और या फिर ऊपर वाला...
...कुछ ही पलों में तुम ऊपर ही पहुंच जाओगे। फिर खुद ही ऊपर वाले से जान लेना इस पहेली का हल, कि कौन है...
जिगसा
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विठ्ठल कांबले
सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता
©RAJA POCKET BOOK

यह एक युद्ध था, जिसका रणक्षेत्र था- फ्रांस-
कुछ पता चला वेरा कि जिग्सा ने 'रिसर्च सेन्टर' पर किस चीज के लिए हमला किया था? क्या ले गया वह वहां से?
कुछ पता नहीं चला ध्रुव! सिर्फ इतना पता है कि जिग्सा वहां से एक खास और गुप्त आविष्कार उड़ाकर ले गया है। उसने उस आविष्कार से संबंधित सारे वैज्ञानिकों को मार डाला है।

इसलिए अभी तक हमको कुछ खास जानकारी नहीं मिल पाई है। वैसे दूसरे सूत्रों के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी मिल तो जाएगी, पर उसमें कुछ वक्त लगेगा।
मैं बड़ी दुविधा में फंस गया हूं। इतना तो मुझे पता चल गया है कि मेरा अतीत ल्योन में है। पर ये जिग्सा बार-बार मुझे वहां पहुंचने से रोक रहा है। जिग्सा का जरूर मेरे ल्योन पहुंचने से कुछ संबंध है...
...और ये संबंध जाने बगैर ल्योन जाकर भी कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

काकातुआ शायद ऐसा कुछ जानता हो, जिससे तुमको मदद मिल सके!
काकातुआ कुछ बोल नहीं पा रहा है, वेरा! शायद अपने मालिक पर हुए हिंसक हमले के सदमे के कारण यह अपनी आवाज खो चुका है।
पालतू पशु-पक्षियों में ऐसा ही जाना एक सामान्य बात है।...
...पर अब भी यह हमें ल्योन की एस्टेट तक जरूर पहुंचा सकता है।

फिलहाल जिग्सा, ल्योन में नहीं, यहीं पेरिस में ही है। पर कहां, यह किसी को नहीं पता।
मैं पता लगा लूंगा वेरा! जिग्सा एक बड़ा सुबूत पीछे छोड़ गया है। अपना 'ब्लिंप' और उसके उड़ाने की दिशा!
उड़ने की दिशा से मुझे इतना तो पता लग ही गया है कि वह पेरिस के उत्तर-पूर्व भाग में है। और इतने बड़े ब्लिंप को वह आसानी से छिपा नहीं सकता!...
...वह या तो उसकी हवा निकालकर छत पर छिपाएगा, और या फिर टुकड़े-टुकड़े करके फेंक देगा। और अगर उसने इन दोनों में से एक भी काम किया तो मैं उसकी गर्दन तक पहुंच जाऊंगा!

जिग्सा को भी ध्रुव की क्षमताओं का एहसास हो रहा था–

तुझ पर भरोसा करके मैंने बहुत बड़ी भूल की थी सात्रे! तू ध्रुव को 'क्रशर' के हाथों मरवा नहीं पाया। उल्टे ध्रुव उसको हराकर 'रिसर्च सेंटर' तक पहुंच गया, और उसने तो लगभग मुझे पकड़ ही लिया था। अगर फ्रांस्वा वक्त पर वहां न पहुंच जाता, तो मैं तो फांसी चढ़ने के रास्ते पर चल चुका था!

हमने दुश्मन को बहुत कमजोर समझा था जिग्सा। सोचा था चींटी की तरह मसल देंगे। पर यह तो डायनासौर निकला। पर अब मैं...

अब तुम कुछ नहीं करोगे। अब जिग्सा ध्रुव को समझ गया है। क्योंकि मेरे पास ध्रुव से संबंधित सारी जानकारी आ चुकी है।...

फिक्र करने की जरूरत तो दूसरे लोगों को थी। लगभग पाँच खरब इन्सानों को–

क्योंकि मुसीबत तो उन पर ही टूटने वाली थी। इस बात को जिवसा और उसके सहयोगियों के अलावा सिर्फ दो और लोग ही जानते थे–
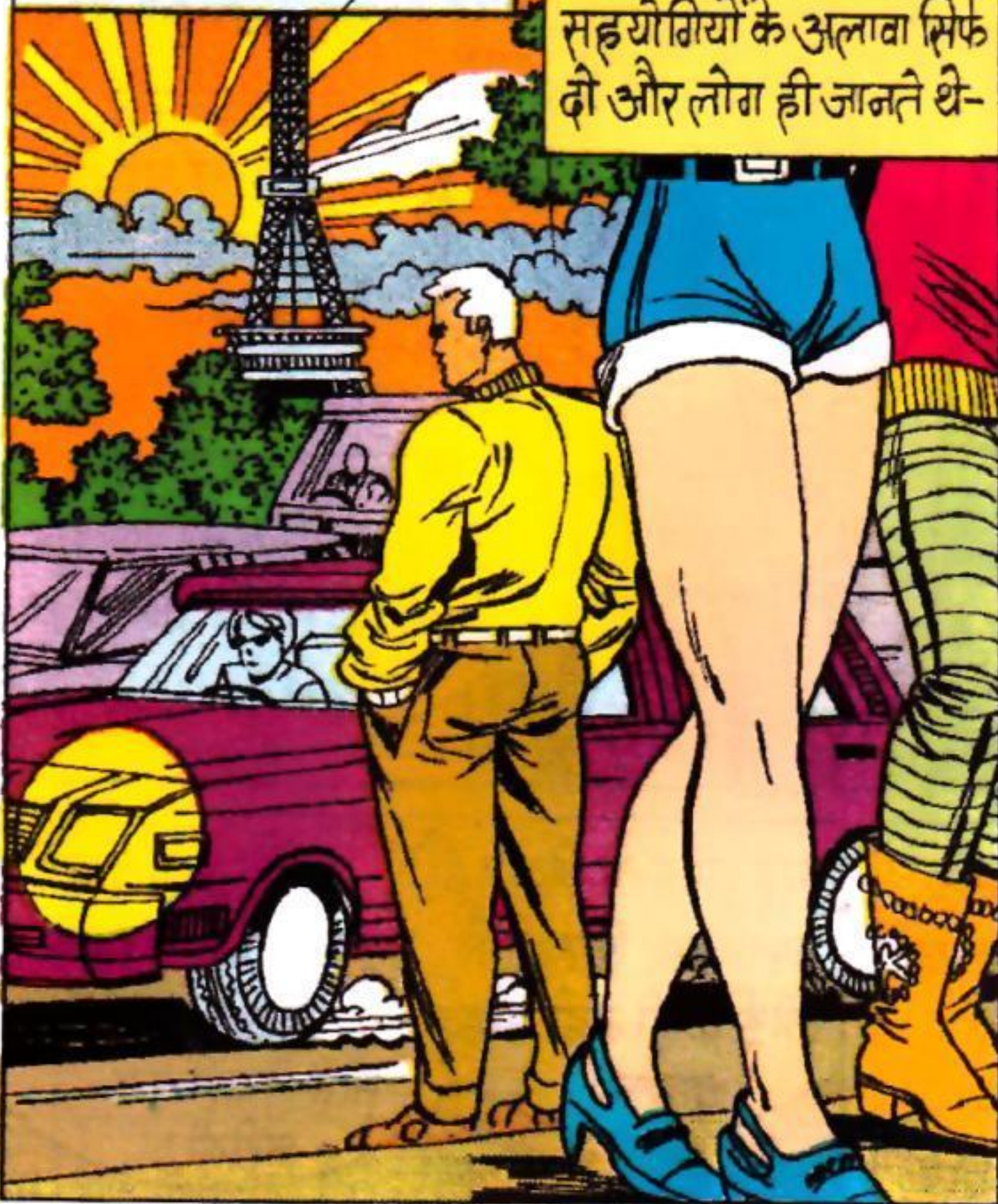
ध्रुव और वेरा–

कल सारी रात और आज पूरा दिन तुम न जाने कहां-कहां घूमते रहे ध्रुव!

और फिर एकदम से तुम आकर कहते हो कि मैं इस रूप में तुम्हारे साथ चलूं। आखिर हम जा कहां रहे हैं?

हम जिवसा के पास जा रहे हैं, वेरा! और तुमको मैंने इसलिए साथ चलने को कहा है, क्योंकि तुम पेरिस को मुझसे ज्यादा अच्छी तरह से जानती हो!...

...और ये रूप इस लिए क्योंकि मैं किसी पुलिस वाले को साथ ले जाना नहीं चाहता!
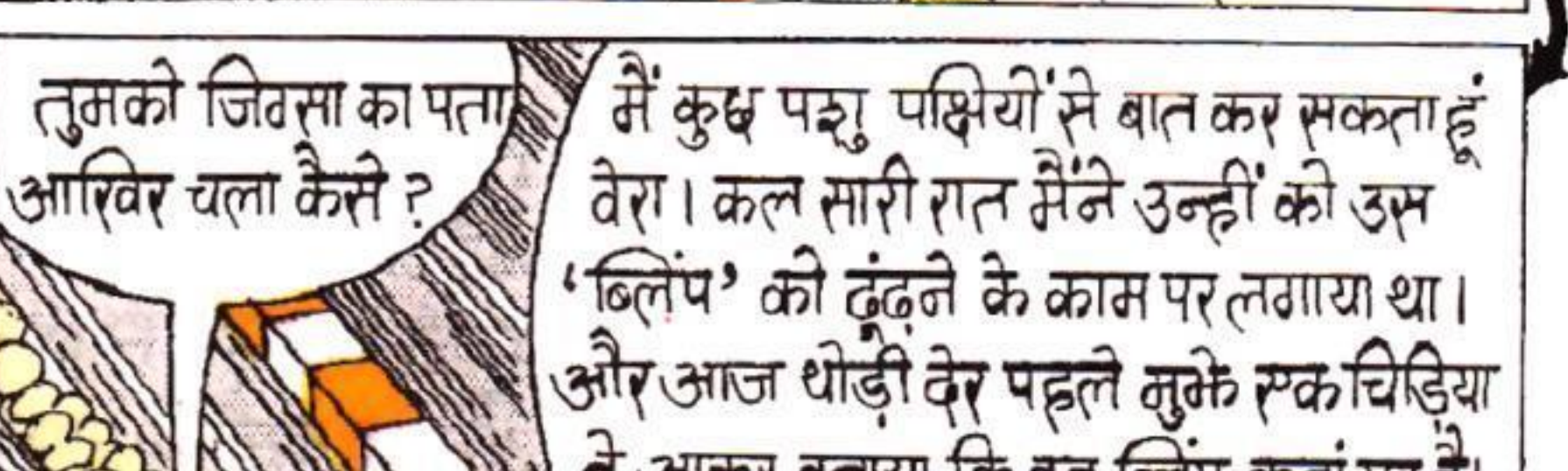
तुमको जिवसा का पता आखिर चला कैसे?

मैं कुछ पशु पक्षियों से बात कर सकता हूं वेरा। कल सारी रात मैंने उन्हीं को उस 'ब्लिंप' को ढूंढने के काम पर लगाया था। और आज थोड़ी देर पहले मुझे एक चिड़िया ने आकर बताया कि वह ब्लिंप कहां पर है। देखो! वही चिड़िया गाड़ी के आगे उड़कर हमें रास्ता दिखा रही है।

तुम तो कमाल के आदमी हो ध्रुव!

पर मुझे अब तक यह नहीं पता कि तुम जिवसा के पीछे-पीछे फ्रांस तक कैसे आ गए?

तुम्हारे 'अतीत' का ये क्या चक्कर है?

वेरा के इस सवाल का ध्रुव जवाब देने ही वाला था कि तभी–

वेरा खुद ही चिंहुक उठी–

अरे! यह चिड़िया तो 'पोर्झी-हाईट' की तरफ जा रही है!

पोर्झी हाईट? उसमें ऐसी क्या खास बात है?

'पोर्झी हाईट' ऊंची बर्फीली पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है ध्रुव! वहां पर सिवाय स्कीइंग के और कुछ नहीं होता।...

उम्मीद है कि वहां पर हम ठंड के मारे जम नहीं जाएंगे।
एक्शन, वेरा! एक्शन से हमारे शरीरों में गर्मी बनी रहेगी। वैसे भी हम पर इतना गोला बारूद दागा जाएगा कि ठंड लगने का सवाल ही पैदा नहीं होगा!
वह देखो, ध्रुव! एक कॉटेज!
चिड़िया भी यहीं पर उतर रही है। यानी यही कॉटेज हमारी मंजिल है।
लेकिन बड़े आश्चर्य की बात है। कॉटेज तो एकदम सुनसान लग रहा है।
और तुम गोले-बारूद की बात कर रहे थे।
या तो अन्दर कोई है नहीं, और या फिर जिग्सा सतर्क हो गया है।...
...अपने कॉटेज की तरफ आती हुई हमारी कार को उसने देख लिया होगा। यहां से हमको पैदल जाना पड़ेगा, वेरा।
आओ!
हल्की बर्फ से ढकी चट्टान पर अपने हाथों और पैरों को जमाते हुए वेरा और ध्रुव ऊपर चढ़ने लगे-
और कुछ ही देर में वे दोनों कॉटेज के पास थे-
ये देखो! यही है उस 'ब्लिंप' का टुकड़ा!
यानी हम सही जगह पर तो पहुंच गए हैं लेकिन पंछी उड़ चुका है। क्योंकि अन्दर किसी जिन्दा प्राणी के होने कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं।
फिर भी यह कोई जाल हो सकता है।
मैं चिड़िया को देखने के लिए अन्दर भेजता हूं।
लेकिन कुछ ही पलों में चिड़िया कॉटेज का चक्कर लगाकर बाहर आ गई-
चूं चूं!
चिड़िया कह रही है कि कॉटेज के अन्दर कोई नहीं है!
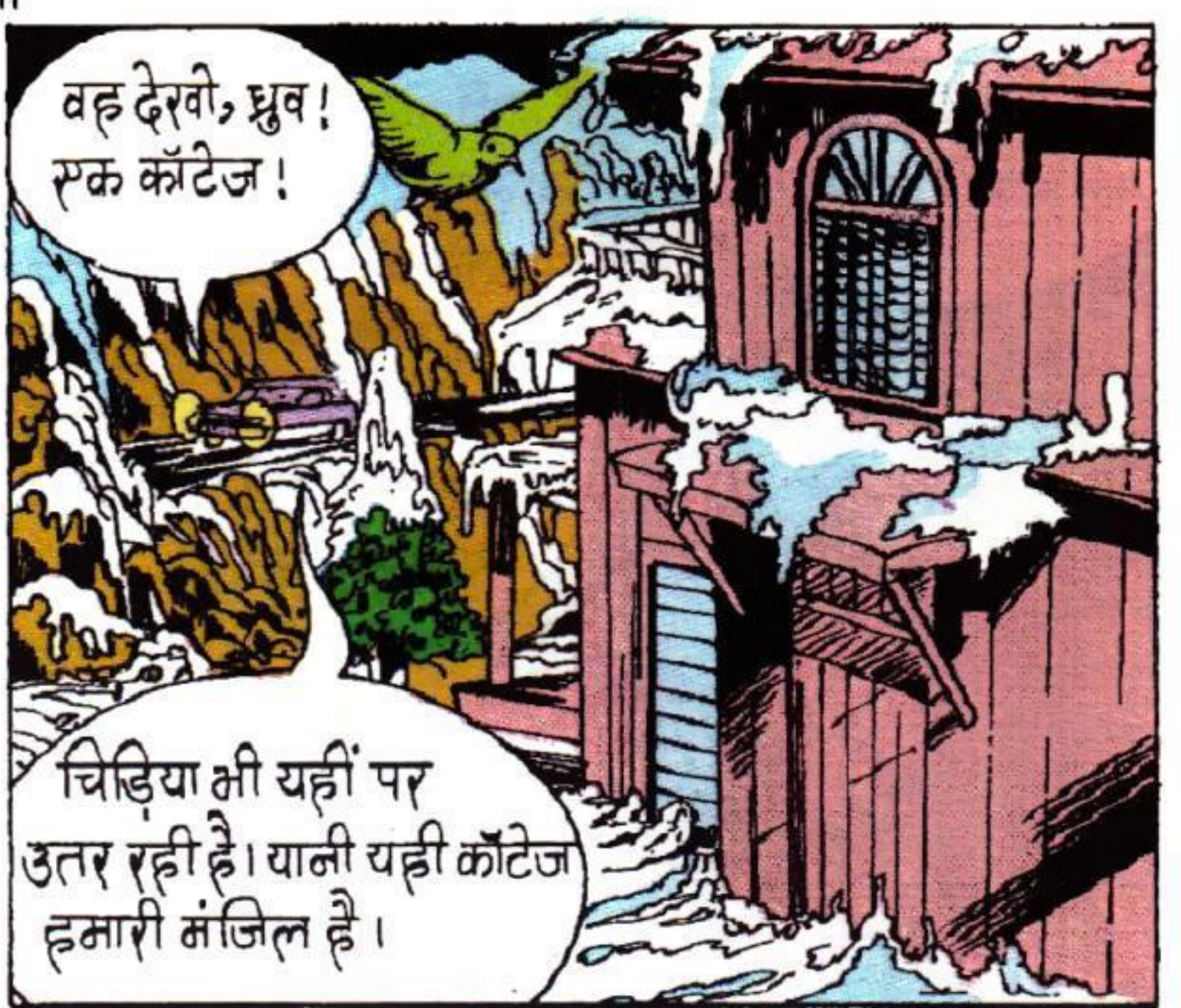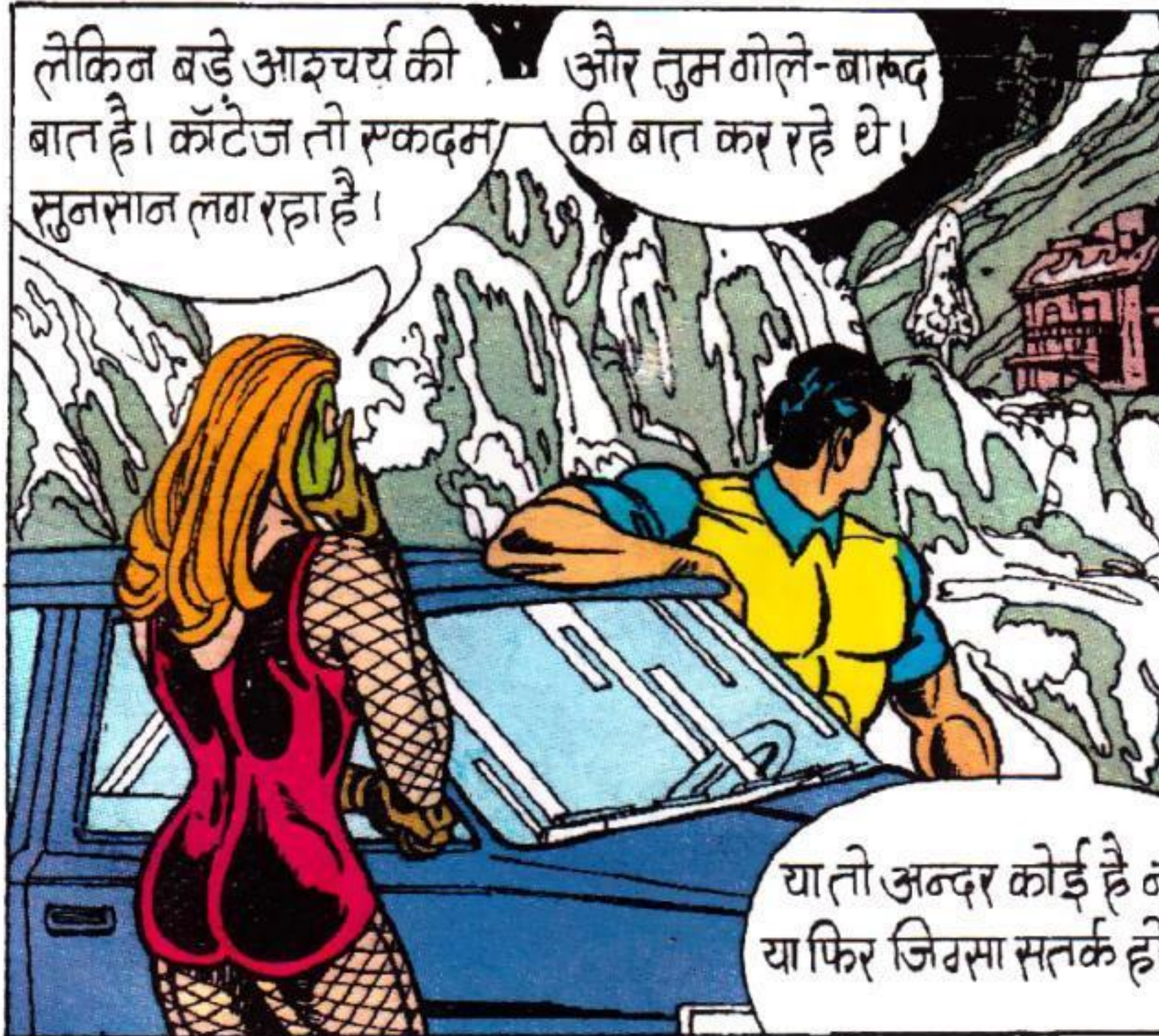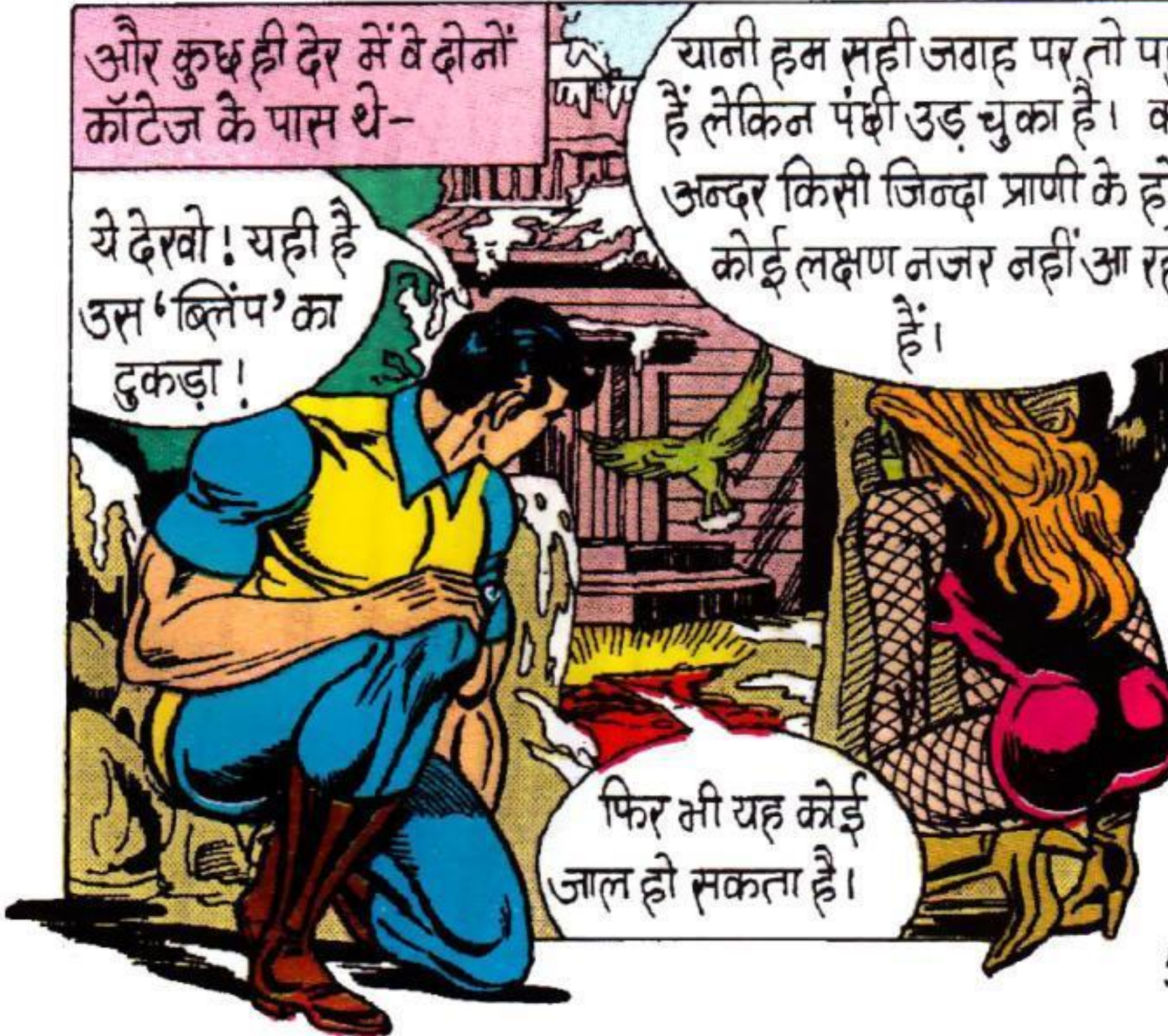
ओह! यानी हमारा यहां तक आना बेकार हो गया।
नहीं, वेरा! ब्लिंप के टुकड़े से यह तो साफ हो गया है कि जिग्सा यहीं पर उतरा था। शायद इस कॉटेज के अन्दर हमको ऐसा कोई सूत्र मिल सके, जो हमको जिग्सा तक पहुंचा सके। आओ, कॉटेज की जांच-पड़ताल करते हैं!

कॉटेज के अन्दर सीलन और बदबू के अलावा और कुछ भी नहीं था-
यहां तो पैरों के निशान भी नहीं मिलेंगे ध्रुव! क्योंकि इस बर्फीले इलाके में धूल होती ही नहीं है!
ऊपर देखते हैं। कोई न कोई चीज ऐसी जरूर मिलेगी, जो जिग्सा से संबंधित हो!

ऊपर पहुंचते ही-
श.श.श!
वेरा! यहां पर कोई है! चुपचाप पीछे आना!
लेकिन कैसे? चिड़िया ने तो बताया था कि अन्दर कोई भी नहीं है।
उसने शायद ठीक से नहीं देखा होगा...

आओ! देखते हैं कि यहां पर कौन है।
वैसे परछाई से तो मुझे आभास हो रहा है कि ये परछाई...
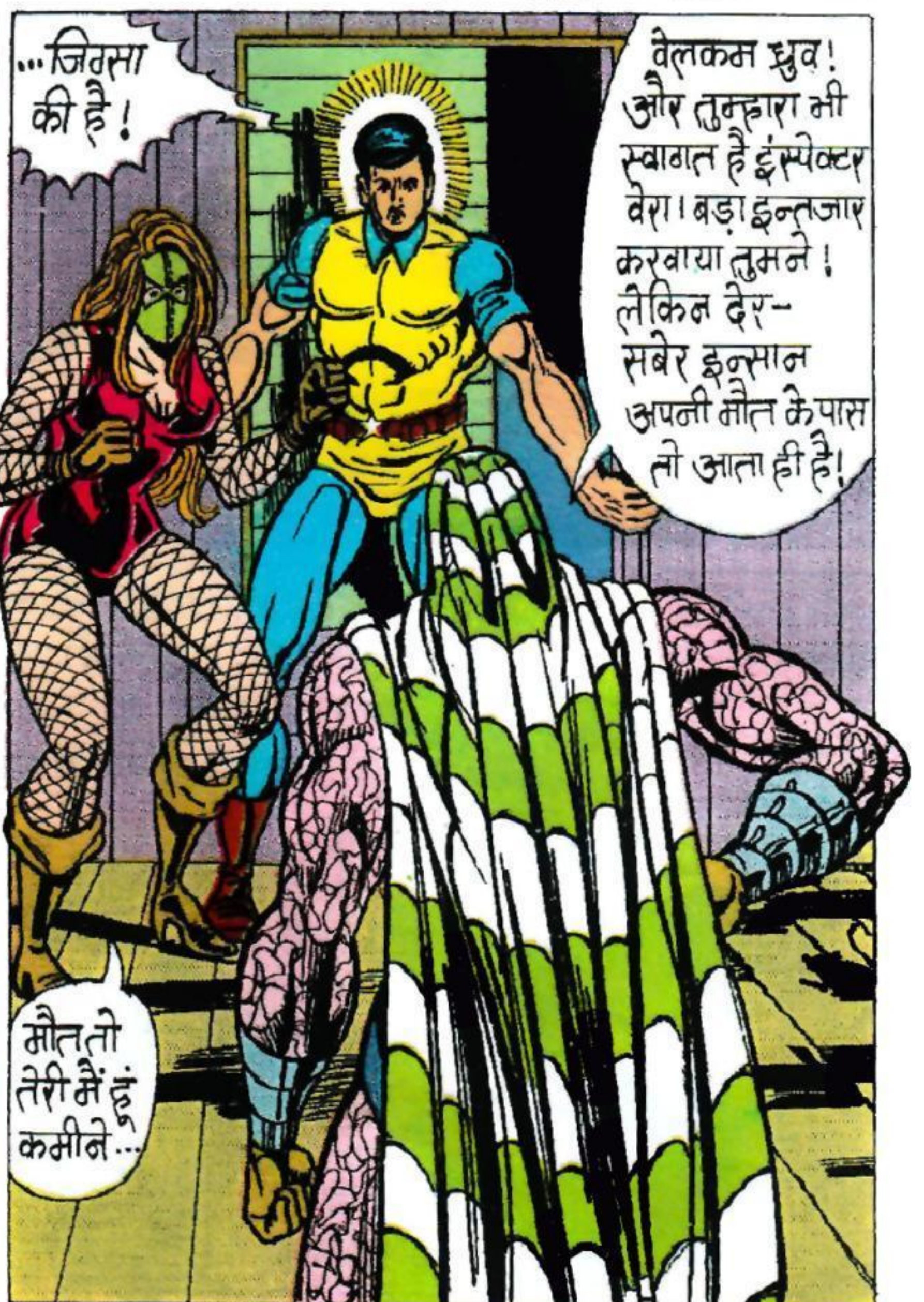
...जिग्सा की है!
वेलकम ध्रुव! और तुम्हारा भी स्वागत है इंस्पेक्टर वेरा। बड़ा इन्तजार करवाया तुमने! लेकिन देर-सबेर इन्सान अपनी मौत के पास तो आता ही है!
मौत तो तेरी मैं हूं कमीने...

...तूने ही फ्रांस्वा के हाथों मेरे पिता ल्यूबेक का खून करवाया था न! अब उस खून का जो वजन मेरे दिल पर है, उसे तेरा बहता खून ही हल्का कर सकता है!
वेरा का शरीर एक घातक सवाटे किक जड़ने के लिए हवा में उछला-
ज़िग्सा, किक से बचने के लिए एक सूत भी नहीं सरका-

और उसी पल ध्रुव सारा माजरा समझ गया-
नहीं, वेरा! रुक जाओ!
लेकिन क्रोध से सुलगती वेरा की किक, जिग्सा की गर्दन से टकरा चुकी थी-
कड़ाक
'कड़ाक' की एक आवाज के साथ, जिग्सा की गर्दन टूटकर हवा में उड़ गई-

और वेरा की आंखें फैल गईं-
यह तो पुतला था!
हा हा हा! हां, बेजान पुतला। जैसे मुर्दा बेजान होता है। जैसे अभी दो सेकंडों में तुम बेजान होने वाले हो!
क्योंकि धक्का लगते ही पुतले के अन्दर लगा बम फटने वाला है।
वेरा, बाहर कूदो!

दोनों के शरीर अभी हवा में ही थे-

बडामममममम
कि तभी जिगसा का पुतला, एक कर्णभेदी आवाज के साथ फट पड़ा। और साथ ही साथ उस जर्जर कॉटेज के भी टुकड़े-टुकड़े हो गए—
विस्फोट के उस भीषण धक्के ने ध्रुव और वेरा को भी हवा में उछालकर दूर फेंक दिया—
लेकिन ऐन समय पर कूद जाने के कारण दोनों को ही कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंची—
ओह! जिगसा को पहले से ही हमारे यहां तक पहुंचने की आशंका थी। इसीलिए उसने अपने पुतले में बम और कैसेट रखकर तैयारी कर रखी थी।
नहीं, वेरा! वह कैसेट नहीं थी! जिगसा को पहले से यह नहीं पता हो सकता था कि मेरे साथ तुम भी आ रही हो!
याद करो! उसने मेरे साथ तुमको भी 'स्वागतम' कहा था!
ओह! तुम ठीक कह रहे हो। यानी वह टेप नहीं, स्पीकर था! पर इसका क्या मतलब हो सकता है?
इसका मतलब है कि इस वक्त भी जिगसा हमको कहीं से देख रहा है! और उसको पता है कि हम बच चुके हैं।
लेकिन अब वह कुछ नहीं कर सकता ध्रुव! उसका वार तो खाली चला गया!
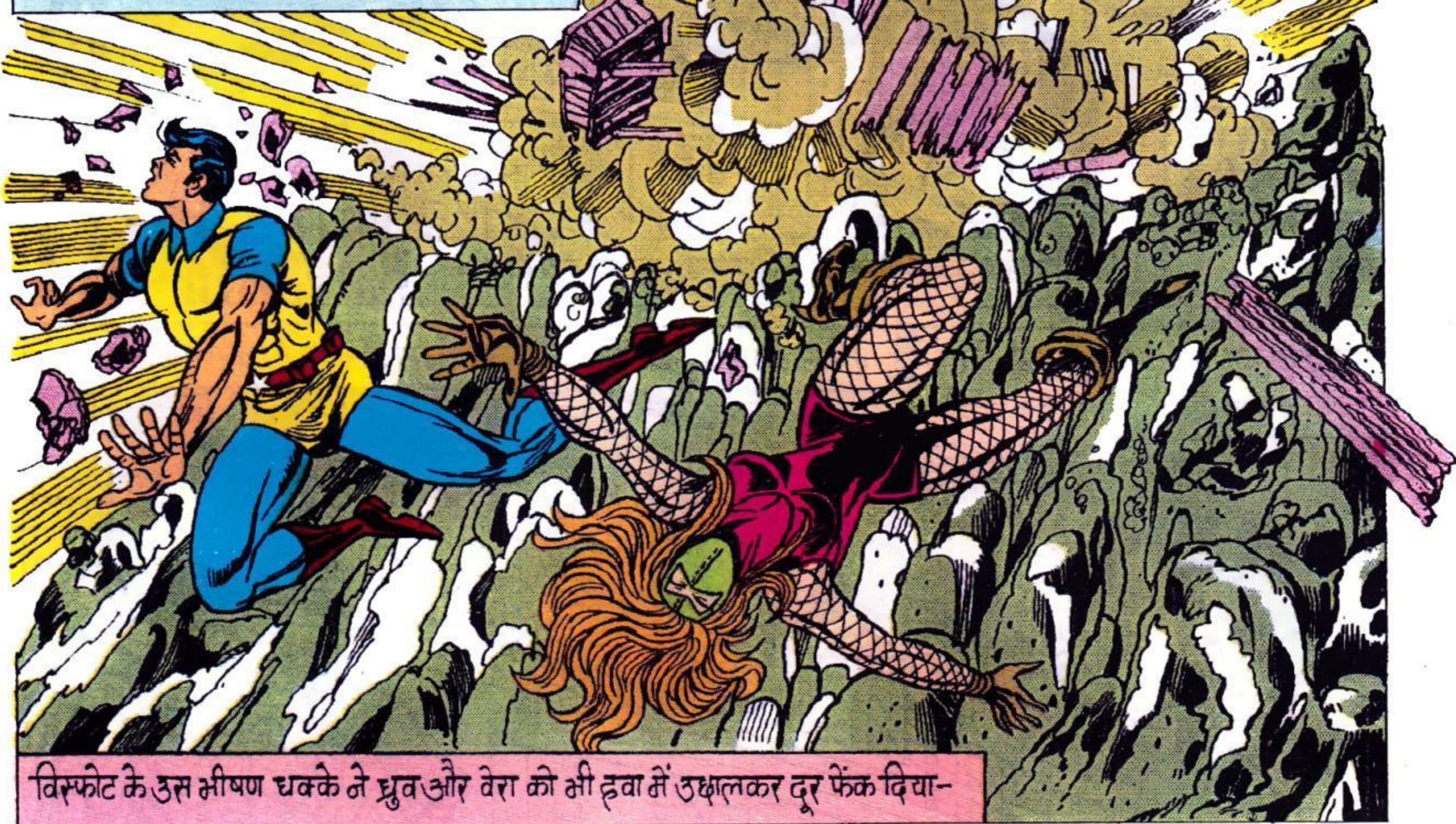
तुम जिग्सा के पुतले पर वार होने से पहले ही समझ गए थे कि वह पुतला है। अंधेरे में भी तुमने यह कैसे समझ लिया ध्रुव?

सबसे पहले तो जिग्सा खुद कॉटेज में होने का खतरा कभी मोल नहीं लेता। दूसरे चिड़िया ने बता ही दिया था कि अन्दर कोई नहीं है। यानी कोई जिन्दा या मुर्दा प्राणी नहीं है। और तीसरा तुम्हारे वार से बचने की उसने कोई कोशिश नहीं की। तीनों बातें मिलाकर मैं सच्चाई जान गया!

कमाल है। तुम्हारा दिमाग है या बुलेट ट्रेन!

अब क्या करना है?

दो-तीन धमाके एक साथ हुए-

कड़ाम

धड़ाड़
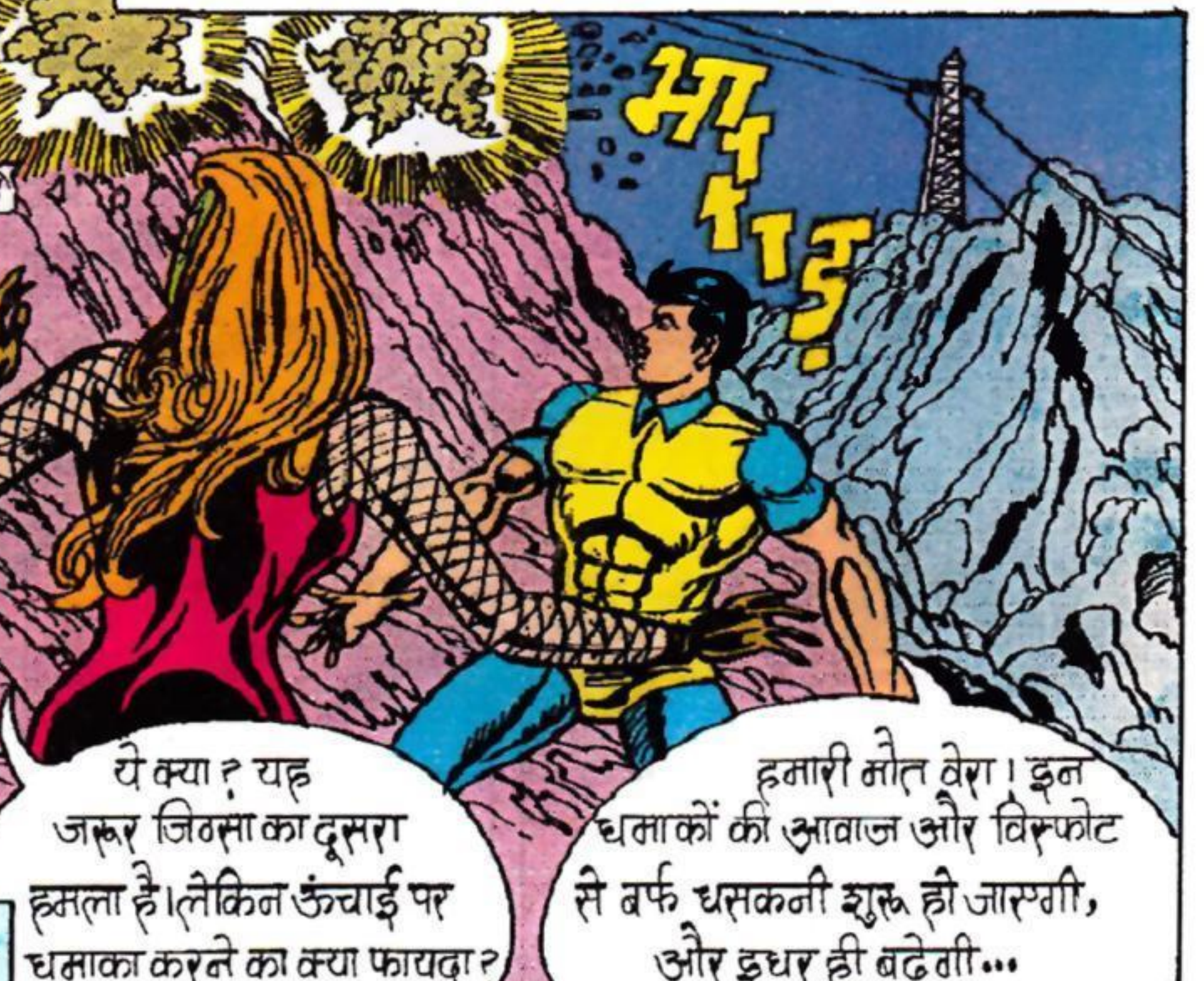
ये क्या? यह जरूर जिग्सा का दूसरा हमला है। लेकिन ऊंचाई पर धमाका करने का क्या फायदा?

हमारी मौत वेरा। इन धमाकों की आवाज और विस्फोट से बर्फ धसकनी शुरू हो जाएगी, और इधर ही बढ़ेगी...

ओ माई गॉड! पूरा बर्फ का पहाड़ हमारी ओर गिर रहा है।...

...हम बचकर भाग नहीं पाएंगे।

ये लकड़ी का तख्ता, जो केबिन के फटने से टूटकर यहां पर आ गिरा है, हमको बचा सकता है वेरा।

मुझे कस कर पकड़ लो!

लकड़ी के तख्ते को 'स्की' की तरह इस्तेमाल करते हुए ध्रुव और वेरा बर्फीली ढलान पर नीचे की तरफ फिसलने लगे-

और बर्फ की गिरती दीवार तेजी से उनका पीछा करने लगी-

हा हा हा!

देखा, जिगसॉ का कमाल!

अब ध्रुव इससे बचकर दिखाए तो मैं भी उसको मान जाऊंगा!

ध्रुव ने मौत को कई बार छकाया था, लेकिन इस बार मौत की रफ्तार कुछ ज्यादा ही तेज थी-

आह! बर्फ हम तक पहुंच चुकी है ध्रुव! कुछ ही पलों में इसके नीचे दबकर हमारी कब्र बन जाएगी!
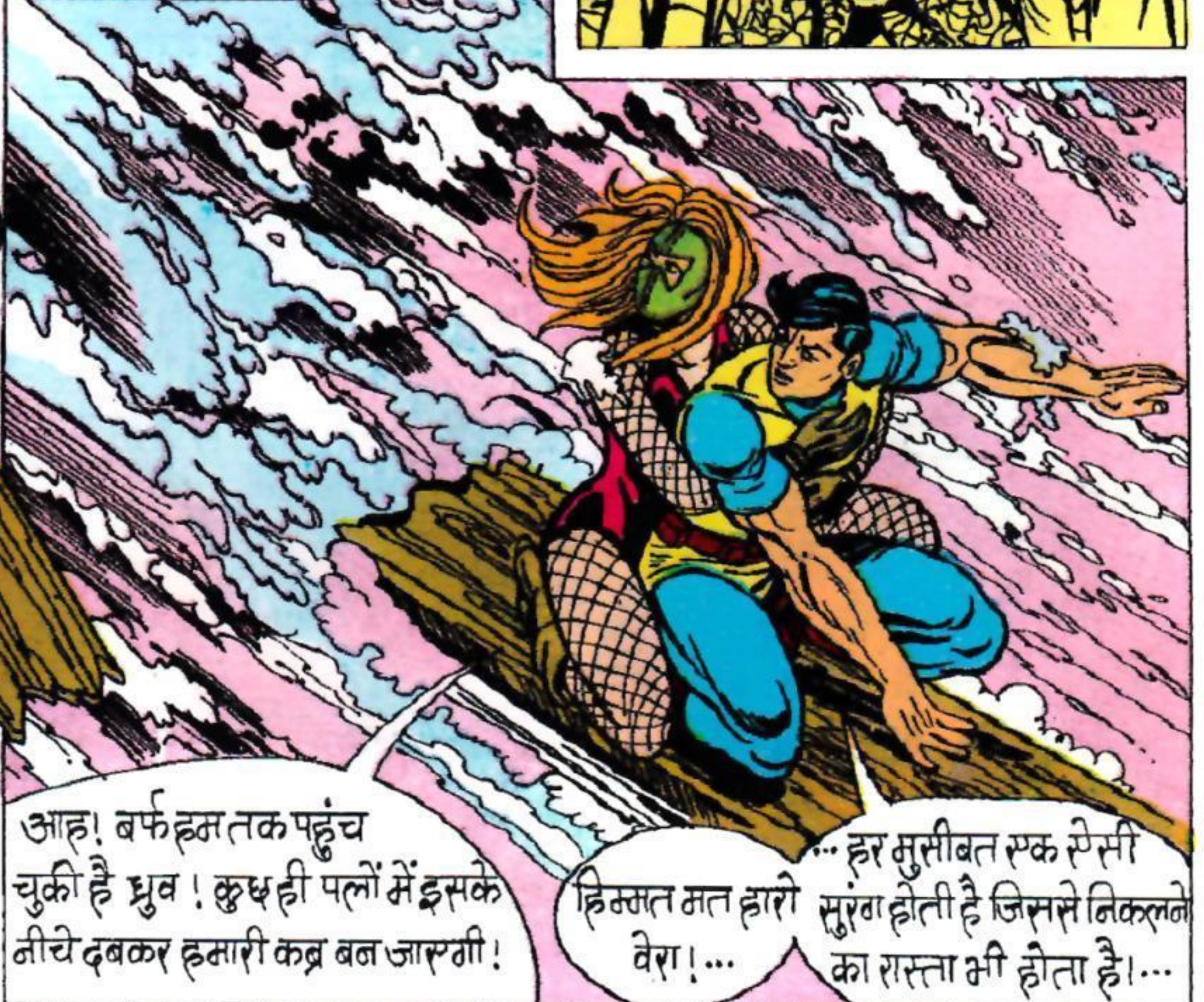
हिम्मत मत हारो वेरा!...

...हर मुसीबत एक ऐसी सुरंग होती है जिससे निकलने का रास्ता भी होता है!...

इस मुसीबत से निकलने का भी कोई रास्ता मिलेगा... मिल गया। वे हाईटेंशन केबल!
अपने दस्ताने उतार कर मुझे देना, वेरा!
कुछ ही पलों बाद, हाथों में दस्ताने पहने हुए ध्रुव, अपनी नाइलो-स्टील की स्टार लाईन को हवा में उछाल रहा था-
हवा में उड़ती हुई स्टार लाईन 'हाई-टेंशन के केबलों के ऊपर से होती हुई...
... वापस ध्रुव के हाथों में आ टिकी-
आह! बर्फ हमको दबा रही है ध्रुव!
अब चिन्ता की कोई बात नहीं वेरा!...
... बस, मुझे कसकर पकड़े रहना!
अगले ही पल- बर्फ की गिरती दीवार नीचे ही रह गई-
और ध्रुव और वेरा के शरीर 'हाईटेंशन केबल' को 'रोप-वे' की तरह इस्तेमाल करते हुए नीचे की तरफ लहरा गए-
वाह, ध्रुव, वाह! लेकिन तुम्हें मेरे दस्ताने की जरूरत क्यों आ पड़ी?
मेरी स्टार-लाईन' में स्टील के तार भी हैं वेरा, और उनके कारण मुझे शॉक लग सकता था!
लेकिन तुम्हारे चमड़े के दस्तानों के कारण वह खतरा नहीं रहा!

यह दृश्य देख रहा जिग्सा, क्रोध से पागल हो गया-
बच गया कमीना? हाईटेंशन केबल पर झूलकर बच गया?
उस तरफ तो मेरा ध्यान ही नहीं गया था!
हा हा हा! कह रहे थे कि जिग्सा 'असफलता' को भी हरा सकता है!
हंस मत सात्रे! हंस मत। जिग्सा की योजना तो सही थी, बस उसकी किस्मत खराब थी!
तड़ाक
मैंने ध्रुव पर सारी जानकारी मंगाई। उससे यह अनुमान लगा लिया कि वह मुझे ढूंढने के लिए पशु-पक्षियों की मदद लेगा मैंने उसकी ही मदद के लिए जान बूझकर क्लिप का टुकड़ा यहां कॉटेज के बाहर छोड़ दिया था!
फिर सब कुछ वैसे ही हुआ, जैसे मैंने सोचा था।...
...पर जरा सी गफलत के कारण ध्रुव बच गया!
सचमुच, मेरी किस्मत ही खराब रही होगी!
अब आपके ख्याल से ध्रुव क्या करेगा, जिग्सा?
अब वह ल्योन के लिए रवाना होगा, लूका बेटे! क्योंकि वह समझ चुका होगा कि मैं जान गया हूं कि वह मुझे ढूंढ रहा है, और अब मैं सतर्क हो गया हूं।
अब पेरिस में वह मुझे ढूंढ नहीं सकता! अब वह मुझे और अपने अतीत को ल्योन के छोर को पकड़कर ढूंढने की कोशिश करेगा!
और सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमको भी अब ल्योन जाना है, और वहीं जाना है, जहां पर ध्रुव जा रहा है!
लेकिन इस सात्रे का क्या करना है जिग्सा! यह हमारे बारे में काफी कुछ जानता है, और अब यह हमारे किसी काम का नहीं रहा है!
धैर्य रखो लूका! इसके बारे में मैंने पहले ही सोच रखा है। पहले अपने पेरिस वाले हैड-क्वार्टर पर चलो!

जिग्सा ने ध्रुव के बारे में गलत अनुमान नहीं लगाया था-

जिग्सा के इस हमले से साफ जाहिर है वेरा कि उसको मेरी हरकतों की पूरी जानकारी है। इस हमले के विफल होने के बाद वह और अच्छी तरह से छिप जाएगा। अब यहां रहकर उसको ढूंढने की कोशिश करनी बेकार है!

तो फिर तुम अब क्या करोगे ध्रुव?

यहां समय बेकार हो रहा है। अब मैं ल्योन जाऊंगा, शायद वहां से मुझे कुछ और जानकारी मिल सके!

अगर ऐसा है तो मुझे पहले घर जाना पड़ेगा, और फिर पुलिस स्टेशन!

और फिर- पेरिस के पुलिस हैडक्वार्टर में-

सबसे पहले तो हम आपसे माफी चाहते हैं मिस्टर ध्रुव कि हमने आपके स्वर्गीय पिता रघुवंशी उर्फ श्याम पर हत्या का आरोप लगाया!

हमारे भ्रष्ट कमिश्नर फ्रांस्वा के मृत्युपूर्व बयान से यह जाहिर हो गया है कि आपके पिता रघुवंशी को इंस्पेक्टर ल्यूबेक की हत्या की साजिश में फंसाया गया था!

हम यह भी जान चुके हैं कि यह साजिश जिग्सा के इशारे पर रचाई गई थी। बस हमको यह पता नहीं चला कि आखिर जिग्सा का आपसे या आपके परिवार से क्या संबंध है। उसने आखिर ऐसा किया क्या? और वह भी पच्चीस साल पहले।
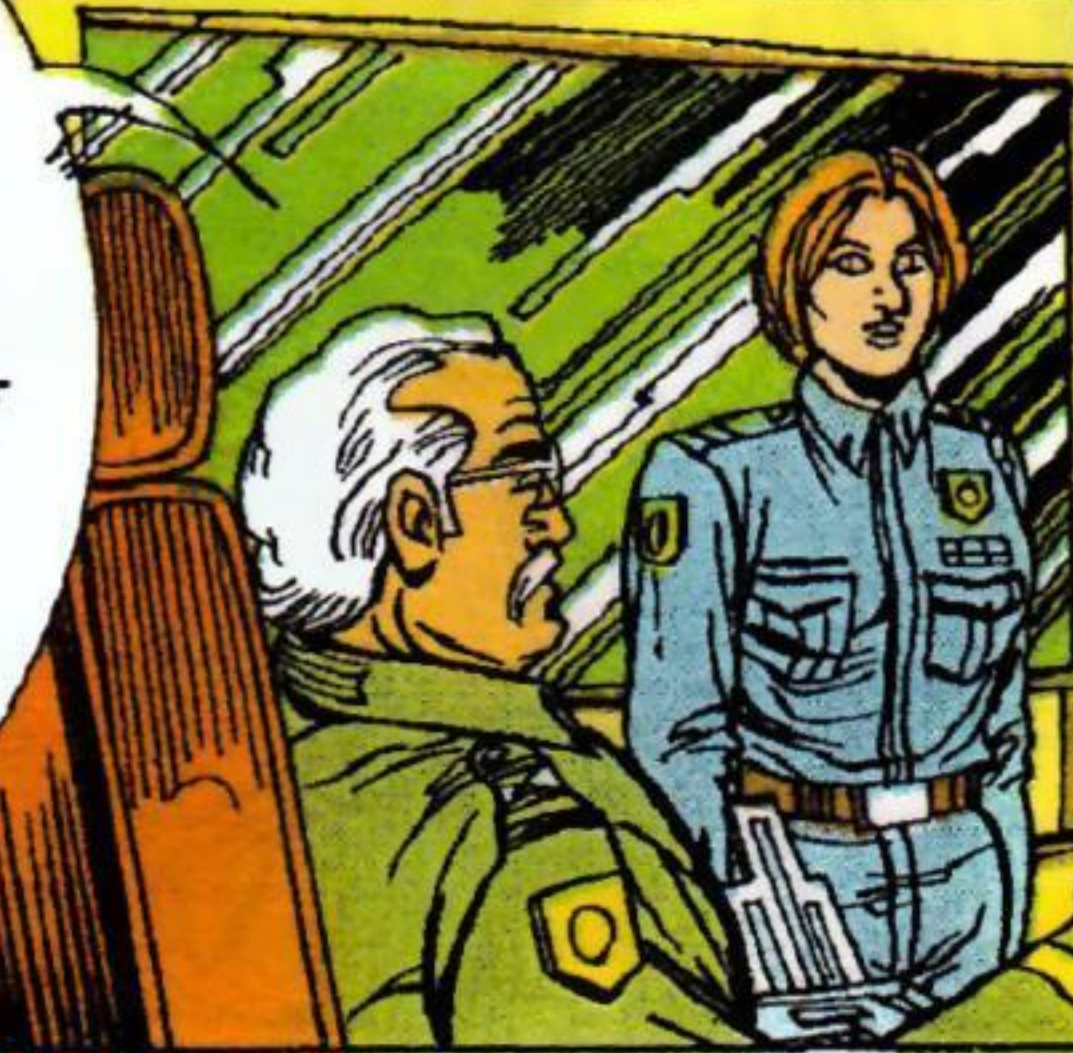
मैं फिलहाल ल्योन जा रहा हूं, डिप्टी कमिश्नर साहब। और मुझे उम्मीद है कि वहां से आपके सवालों के जवाब लेकर ही वापस आऊंगा!

अभी तो आप मुझको यह बताइए कि जिग्सा ने रिसर्च लैब से क्या चुराया है?

ये जानकारी तो गुप्त है, ध्रुव! लेकिन जिग्सा से तुम्हारे संबंध और तुम्हारे अपराध के खिलाफ अभियान को देखते हुए मैं तुमको बताने में कोई हर्ज नहीं समझता!
दरअसल, जिग्सा एक ऐसा अपराधी है, जो सिर्फ ऐसे आविष्कार और तकनीकों को ही चुराता है जो या तो प्रायोगिक चरण में हों और या पूर्णतया की स्थिति में पहुंचने वाले हों!
इस बार भी उसने वही किया है। एक ऐसा आविष्कार चुराया है उसने जो लगभग पूरा ही चुका था। उस आविष्कार का नाम है...
...स्क्रैमबलर!
यह कोई हथियार है क्या?
हथियार ही समझो! 'स्क्रैमबलर' एक ऐसा यंत्र है जो टीजी 'नामक अदृश्य तरंगें छोड़ सकता है। इन तरंगों को किसी भी कंप्यूटर सिस्टम पर फोकस करके दूर से ही उस सिस्टम की प्रोग्रामिंग को बदला जा सकता है!
आजकल पूरी दुनिया में तैनात लगभग सारे सुरक्षा सिस्टम, जैसे मिसाइल वगैरह कंप्यूटर सिस्टम से ही जुड़े रहते हैं!
इस 'स्क्रैमबलर' के जरिए किसी भी मिसाइल सिस्टम के प्रोग्राम को बदलकर, अपने कब्जे में लिया जा सकता है!
यूरोप के इस भाग में अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों की आणविक मिसाइलें तैनात हैं...
...स्क्रैमबलर के जरिए जिग्सा, इन सारी मिसाइलों की प्रोग्रामिंग बदलकर, उनमें अपनी प्रोग्रामिंग डाल सकता है, और इस तरह मिसाइलों को अपने कब्जे में कर सकता है!...
ओह! तब तो जिग्सा तक पहुंचना अब और भी जरूरी हो गया है। बन्दर के हाथ में तलवार आ गई है मुझे इजाजत दीजिए डी॰ सी॰ पी॰ साहब!
बेस्ट ऑफ लक, ध्रुव! कोई काम लायक जानकारी मिले तो हमको भी सूचित करना!
जरूर, सर!
वेरा के घर की तरफ वापस जाते हुए, ध्रुव के दिमाग में कई नए सवाल उमड़ने लगे थे-
हम ल्योन कार से ही चलेंगे, ध्रुव! कोई दस-बारह घंटे का रास्ता है। मैं घर से कुछ कपड़े और कैमरा लेकर तुरन्त चल दूंगी!
कैमरा क्यों?
जिग्सा को कोर्ट तक पहुंचाने के लिए सुबूतों की जरूरत पड़ेगी ध्रुव! और वे सुबूत कैमरा इकट्ठे कर सकता है!
जिग्सा ने भी फिर से अपनी चाल चलनी शुरू कर दी थी-
यह... यह क्या कर रहे हो? मुझे बांध क्यों रहे हो?
हम तुझे ध्रुव को खत्म करने का एक मौका और दे रहे हैं!

इस 'न्यूक्लियर डेसीमेटर' से निकलने के बाद तू खुद एक हथियार बन जाएगा! इस तकनीक को मैंने एक अमेरिकी लैब से चुराया था... पर उसका इस्तेमाल तेरे जरिए मैं पहली बार फ्रांस में करूंगा!
मशीन में से तीव्र रेडिएशन तरंगें निकलकर, सात्रे के शरीर को सुईयों की तरह भेदने लगीं-
ईयाऽऽऽऽऽ ऽऽऊऊऊऊऊ
और सात्रे की चीखें, उस साउंडप्रूफ चेंबर की दीवारों से टकरा-टकराकर दम तोड़ने लगीं-

ध्रुव को ल्योन तक पहुंचने से रोकने के लिए एक और रुकावट का जन्म हो रहा था-
लेकिन ध्रुव पहले ही ल्योन के लिए रवाना हो चुका था-
FILSBURG 210 MILES
LYON 223 MILES
इस वक्त ट्रैफिक काफी कम रहता है ध्रुव! शाम होते-होते हम ल्योन तक पहुंच जाएंगे!...
DL.Q.133
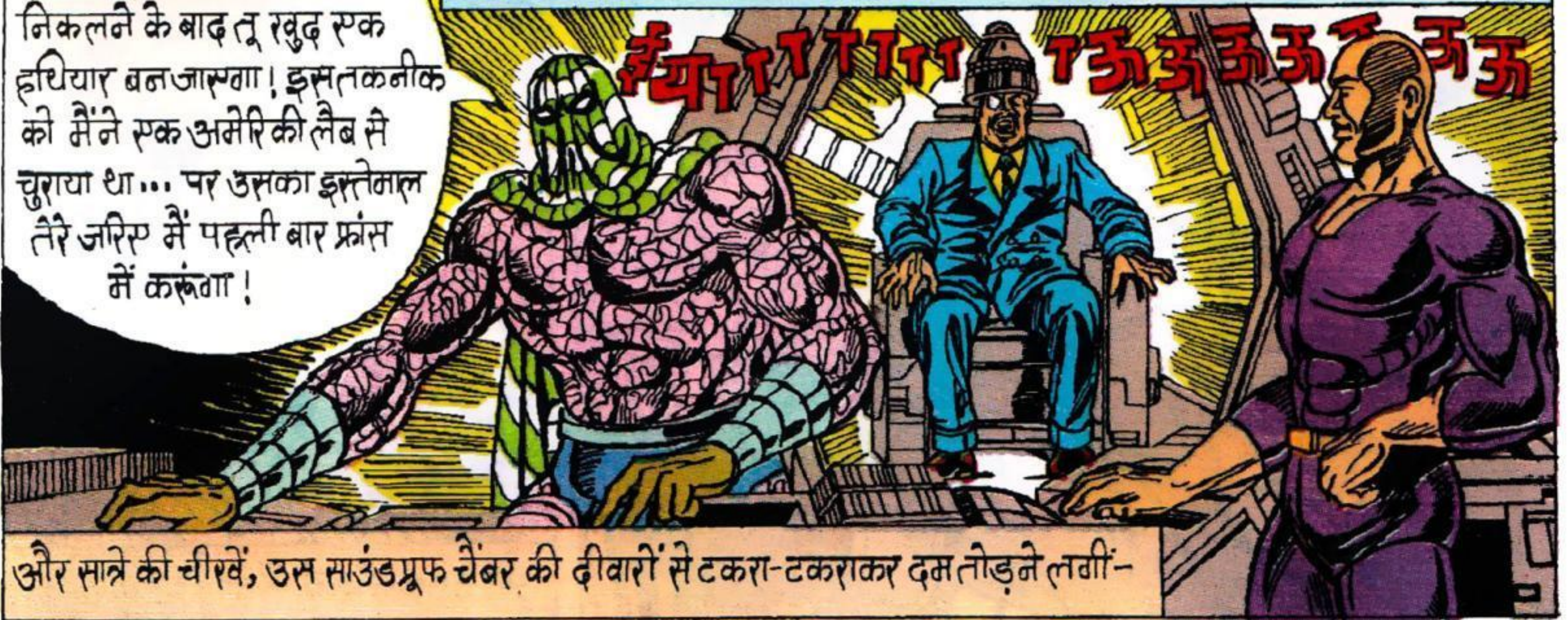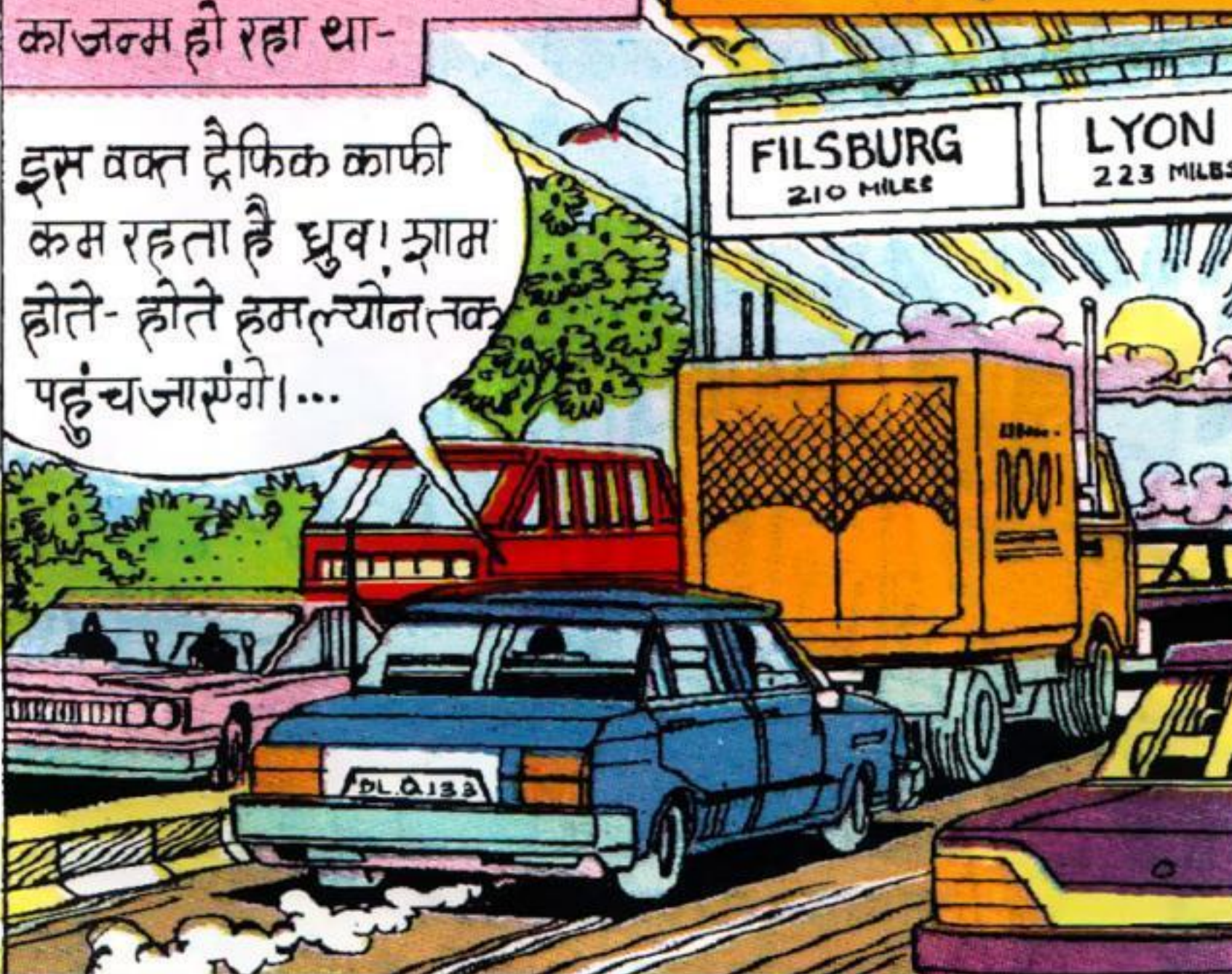
और तुमको रघुवंशी अंकल का पता बताकर मैं तुमको तुम्हारा अतीत ढूंढने का रास्ता दिखा दूंगी!...
...लेकिन तुम्हारे अतीत का यह चक्कर क्या है? अपना अतीत ढूंढते-ढूंढते तुम फ्रांस तक कैसे आ गए?
लम्बी कहानी है वेरा! लेकिन मैं तुमको संक्षेप में बताता हूं।
ध्रुव के दिमाग में घुमड़ती यादें, उसकी जबान से शब्द बनकर हवा में गूंजने लगीं-

और ध्रुव के दिमाग में ताजा होने लगा वह घटनाक्रम राजनगर में जो एक फोन कॉल से शुरू हुआ था-
तुम्हारा बाप श्याम जिसका असली नाम रघुवंशी था, फ्रांस से भागा हुआ एक हत्यारा था ध्रुव! पुलिस को आज भी उसकी तलाश है। सच्चाई जानना चाहते हो तो आर्टीफीशियल वॉटर फॉल पर पहुंचो। अकेले!

वॉटर फॉल पर ध्रुव की मुलाकात एक नकाबपोश और एक 'बुल्स आई' नाम के हत्यारे से हुई-
दोनों ने ही ध्रुव पर हमला किया-

★ डेंटल प्रिंट : दांतों के निशानों की प्रतिलिपि

कहानी 19 वें पृष्ठ से जारी

लेकिन ध्रुव को इस खबर पर ज्यादा सोचने का वक्त नहीं मिला-
क्योंकि उसी वक्त मिली उसे एक और खबर-
हां, इंस्पेक्टर खत्री! हॉस्पीटल से बोल रहे हैं आप? हां... उस गुरिल्ले के शरीर पर एक निशान है? गोले में बना 'जे'। मैं अभी आता हूं!
यह निशान तो जुपिटर सर्कस के जानवरों पर लगा होता था। यानी वह गुरिल्ला जुपिटर सर्कस का है।
अस्पताल में ध्रुव की मुठभेड़ हुई एक और हत्यारे 'बी-यर्ड' से, जिसकी दाढ़ी पर जहरीले डंक वाली मक्खियां चिपकी हुई थीं-
ध्रुव ने इस मुसीबत से भी निपटने का रास्ता खोज लिया-
तड़ाक
और वहीं पर स्टोर रूम में ध्रुव को मिला एक और आश्चर्य-

ध्रुव की मुलाकात उसी हैट कोटधारी से हुई जिसको ध्रुव ने वॉटर फॉल पर देखा था। और वह था-
आप जुपिटर सर्कस वाले अंकल जैकब हैं सर्कस के मालिक!
हां, ध्रुव!
पर आप सर्कस में लगी आग से बचे कैसे? और अब तक आप मुझसे मिले क्यों नहीं?
जवाब में ध्रुव को सुनने को मिली वह कहानी, जिसने कुछ रहस्यों पर के पर्दों को उठा दिया-
मुझे गुरिल्ले किंगकांग ने बचाया था ध्रुव! मैं बेहोश हो चुका था। उसने मुझे एक नाव में डाला और समुद्र में ले गया। काकातुआ तोता भी उड़कर नाव में ही आ गया था। उसने मॉरिशस जा रहे एक जहाज को ढूंढ निकाला!

मॉरिशस ही मेरा घर है। होश में आने पर मैंने अपने भाई को सूचना भेजी और मॉरिशस में ही मेरा इलाज होने लगा। स्वस्थ होने में और ताकत वापस आने में मुझे सालों लग गए। मेरे भाई को डर था कि शायद सर्कस में आग मेरी जान लेने को ही लगाई गई है। इसलिए उसने किसी को भी मेरे बचने की खबर नहीं दी। यही कारण है कि मैं तुमसे मिल नहीं सका। मेरे सर्कस का बचा-खुचा सामान भी मॉरिशस भेज दिया गया। और उसी में मिली मुझे...

...श्याम की वह सन्दूकची, जो श्याम के पास उस वक्त थी, जब वह घायल अवस्था में मुझे फ्रांस के एक शहर ल्योन में मिला था, जहां पर उस वक्त मेरा सर्कस चल रहा था!
ल्योन में? पिताजी वहां क्या कर रहे थे?

वह फ्रांस में ही रहता था। और उसके घायल अवस्था में मिलने के ठीक बाद मैंने एक पुलिस वाले और दो गुंडों को उसको मारने के लिए उसका पीछा करते देखा। उसकी जान खतरे में जानकर मैं उसे अपने सर्कस में छिपाकर भारत ले आया!

वह ठीक तो हो गया, लेकिन सिर में गोली का घाव होने के कारण उसकी याददाश्त जाती रही। वह एक कुशल कलाबाज तो बन गया, लेकिन अपनी कहानी मुझे कभी बता नहीं पाया। उसको 'श्याम' नाम भी मैंने ही दिया था...

...हां, तो मैं बता रहा था कि जब मुझे श्याम की संदूकची मिली तो मैंने उसे खोलकर देखा! उसमें श्याम की उसके परिवार के साथ की एक फोटो थी।

बैकग्राउंड में एक भव्य बंगला भी था।...

...उसी बंगले के सहारे मैं ल्योन पहुंच गया ताकि श्याम के परिवार वालों को ढूंढकर मैं उनको श्याम के बारे में दुखद समाचार सुना सकूं।

लेकिन उस एस्टेट को ढूंढ कर...

बस, बुड्ढे! आगे तू कुछ नहीं बता पाएगा। कभी भी नहीं।

लूका!

उसी स्टोर में कोई छिपा हुआ था-

जो अंकल जैकब के लिए मौत का फरिश्ता साबित हुआ-

लूका, अंकल जैकब को खत्म तो नहीं कर पाया-

खच्च

आह!

लेकिन वहां से भागने में सफल जरूर हो गया-

और इस हत्या के प्रयास का इल्जाम आया ध्रुव पर-

जैकब के एक नाखून के नीचे मिले त्वचा के एक टुकड़े के डी.एन.ए. टेस्ट से यह तो साबित हो गया कि वह न तो ध्रुव की त्वचा का टुकड़ा था और न ही जैकब की त्वचा का-

लेकिन टेस्ट से यह भी पता चला कि उस त्वचा के टुकड़े का मालिक ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार था-

बाद के घटनाक्रम से यह बात पता चली कि लूका, बी-यर्ड और बुल्स आई के साथ फ्रांस की तरफ रवाना हो चुका था-

और यह जानने के बाद ध्रुव को लूका के पीछे-पीछे अपना अतीत जानने के लिए फ्रांस आना ही पड़ा-

पीरिस पहुंचकर ध्रुव वहां के पुलिस कमिश्नर फ्रांस्वा से मिला, जिनके नाम ध्रुव के दत्तक पिता राजन मेहरा ने एक चिठ्ठी दी थी-
लेकिन फ्रांस्वा से ध्रुव को पता चला कि श्याम उर्फ रघुवंशी के केस से संबंधित सारी जानकारी किसी के द्वारा मिटाई जा चुकी थीं-
DELETED
ध्रुव के सामने अपने अतीत को ढूंढ़ने के रास्ते बन्द होते जा रहे थे-

कि तभी- उसको होटल में एक मैसेज मिला-
अगर तुम रघुवंशी के बारे में जानना चाहते हो तो 'रॉन्देवू डेन' केवियर स्ट्रीट पर आकर क्रशर से मिलो!
2013
Ritz

ध्रुव, क्रशर से मिलने पहुंचा। लेकिन क्रशर ने कुछ भी बताने की कीमत मांगी। और वह कीमत थी क्रशर को हराना। ध्रुव समझ गया कि यह उसको मौत के घाट उतारने की चाल थी। फिर भी उसने चुनौती को कुबूल कर लिया-
क्रशर को तो ध्रुव ने हरा दिया-

लेकिन एक दूसरे आदमी ने, ध्रुव पर एक साथ कई फाईटरों से हमला करा दिया। और यहां पर ध्रुव को मदद मिली एक रहस्य-मय मददगार से-
उस लड़की की मदद से, ध्रुव सबको हराने में कामयाब हो गया-

लेकिन जल्दी ही यह साफ हो गया कि वह 'मददगार' मददगार नहीं थी-
मैंने तुमको सिर्फ इसलिए बचाया है ताकि मैं तुमको अपने हाथों से मार सकूं। क्योंकि तुम्हारा बाप मेरे पिता का कातिल था।
ओह! यानी मेरे पिता पर जिसकी हत्या का आरोप है, यह उसकी बेटी है।
दोनों में न जाने कब तक लड़ाई चलती। लेकिन एक 'पेजर मैसेज' ने उस लड़की को कहीं और जाने पर मजबूर कर दिया-
ध्रुव ने उसका पीछा किया-

उस रहस्यमय लड़की का पीछा ध्रुव को एक ऐसे घटनास्थल पर ले गया, जहां पर 'डिफेंस रिसर्च लैब' में जिगसा द्वारा हमला किया गया था–
DEFENCE & R
ध्रुव की तेज नजरों ने एक सिगारनुमा गुब्बारे को घटनास्थल से जाते देखा। ध्रुव समझ गया कि जिगसा इसी में है। उसने गुब्बारे का पीछा किया–
वह गुब्बारा एफिल टॉवर पर जाकर टिक गया–
और वहां ध्रुव की मुलाकात हुई जिगसा से। घमासान लड़ाई के बाद ध्रुव ने जिगसा को पकड़ लिया। लेकिन उसी वक्त घटनास्थल पर आ गया फ्रांस्वा–
मैं ही वह पुलिस वाला हूं ध्रुव! जिसको जैकब ने गुंडों से बात करते सुना था!
मैंने और जिगसा ने ही उस पुलिस वाले की हत्या करके रघुवंशी को फंसाया था। अब तुझे भी तेरे बाप के पास ही भेज दूंगा।
लेकिन फ्रांस्वा ऐसा कर नहीं सका–
क्योंकि वह रहस्यमय लड़की वहां घटनास्थल पर पहुंच गई थी–
मैं इंस्पेक्टर वेरा हूं कमिश्नर! और मेरे पुलिस बैंड ट्रांसमीटर के जरिए तुम्हारा बयान हर पुलिस चौकी और हर पुलिस कार में सुना जा चुका है।
जिगसा तो भाग चुका था, पर कमिश्नर फ्रांस्वा अपनी नियति से बचकर भाग नहीं सका–
उसने ध्रुव को मारने की कोशिश की–
लेकिन ऐन वक्त पर काकातुआ तोते ने वहां पहुंचकर उसको ही–
मौत की नींद सुला दिया–
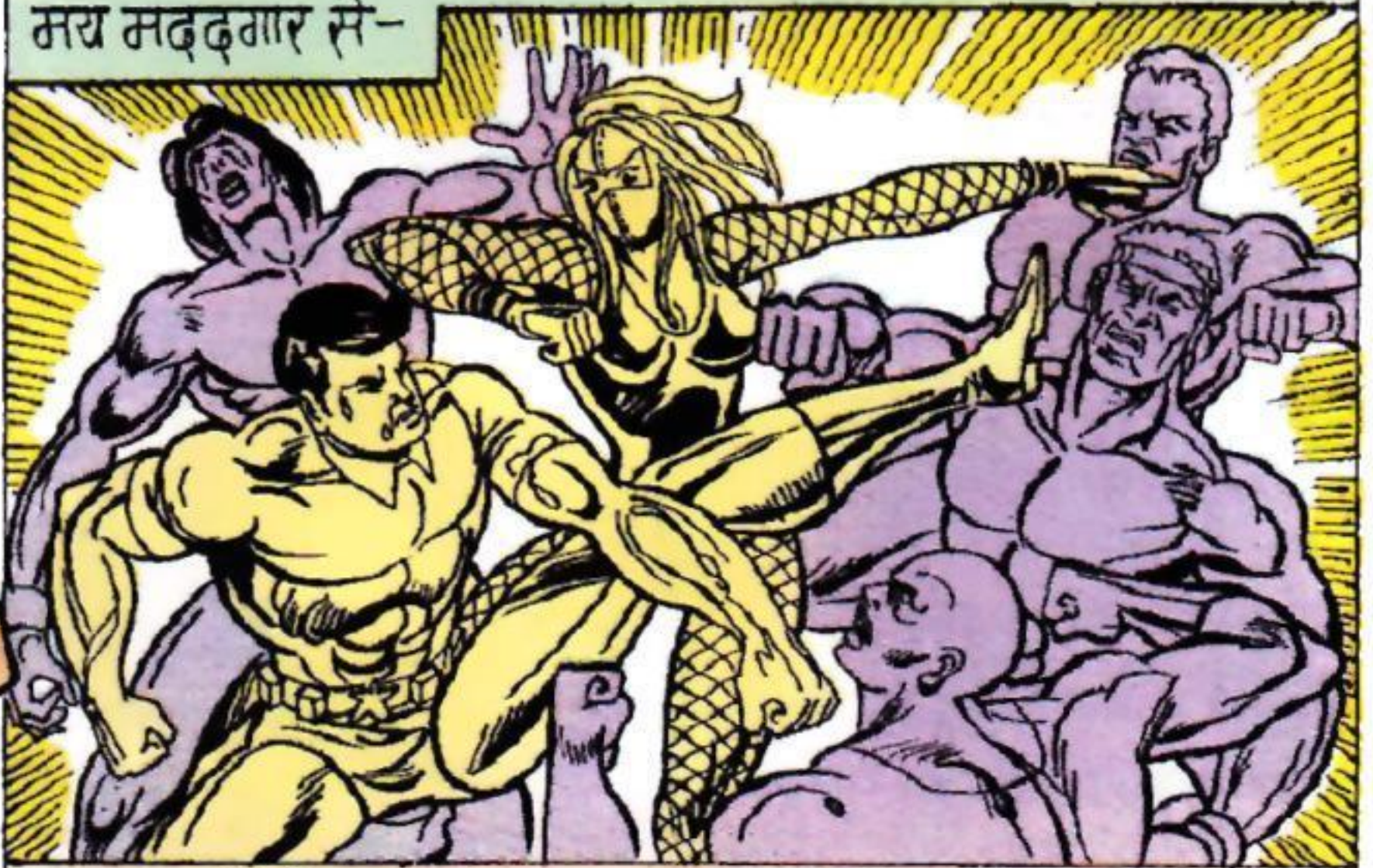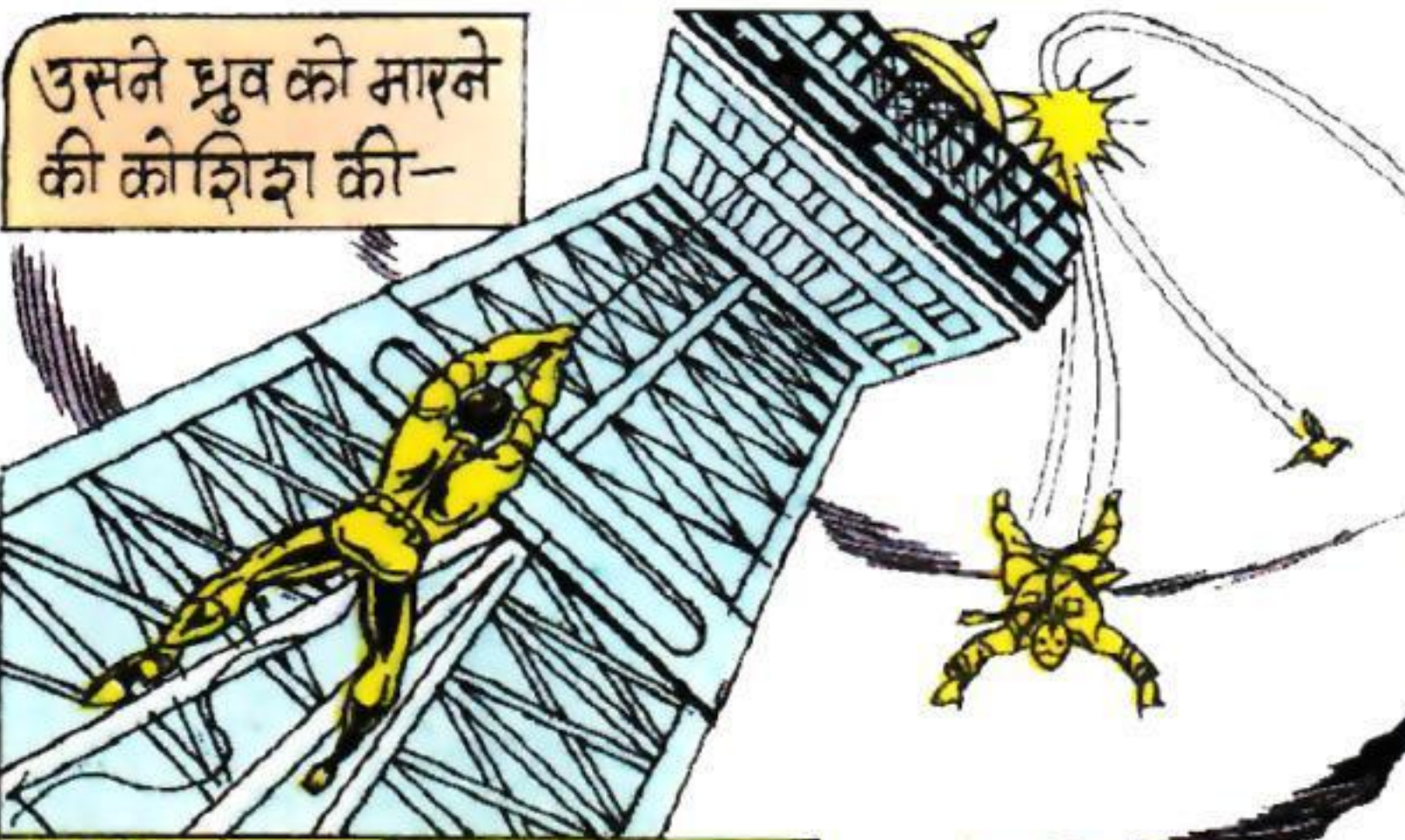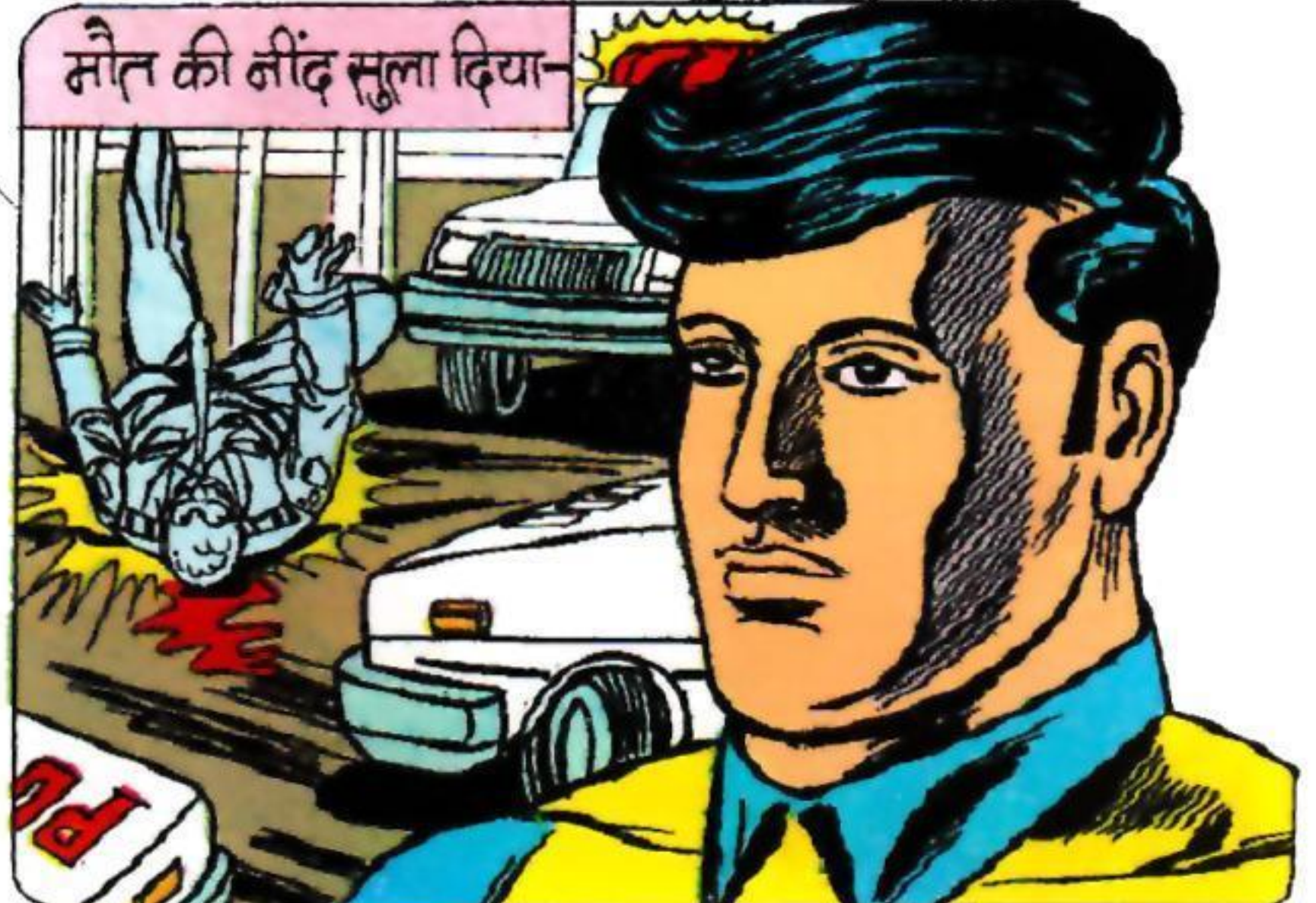
ओह! तुमने इतने खतरनाक-खतरनाक मुजरिमों को भी धूल चटा दी। मैं तुम्हारे बारे में जितना जानती जा रही हूं, उतनी ही तुम्हारे लिए मेरे दिल में इज्जत बढ़ती ही जा रही है।
मुझे काफी सोचने के बाद भी एक बात समझ में नहीं आई!
इतने सालों तक तो मुझे न अपना अतीत पता था, और न ही मैंने उसे कभी जानने की कोशिश की थी।
लेकिन इतने सालों बाद आखिर लूका या जिग्सा को मुझ तक आने की और मुझे मेरा अतीत बताकर मारने की क्या जरूरत पड़ गई?
जवाब हवा में उड़ता हुआ ध्रुव के पीछे आ रहा था-
हा हा हा! वे रहे हमारे दुश्मन! आज के बाद से हमको ध्रुव की चिन्ता करने की कभी जरूरत नहीं पड़ेगी। और इसकी मौत के बाद हम एस्टेट को आराम से बेच सकेंगे।
कार्टन नीचे गिरा दो लूका! और फिर उड़ चलते हैं ल्योन की तरफ!
ये ल्योन पहुंचने का छोटा रास्ता है ध्रुव!
'हाईवे' बन जाने के बाद अब कोई इसका इस्तेमाल नहीं करता!
इससे हमारा करीब सत्तर मील का रास्ता बच... अरे!
वह हैलीकाप्टर कोई बॉक्स गिरा रहा है!
गुडबाय ध्रुव!
घबराना मत! ल्योन में हम तुम्हारी अंत्येष्टि का जोरदार इंतजाम करके रखेंगे!
जिग्सा! और साथ में लूका भी है!

★ यह जानने के लिए पढ़ें : अतीत
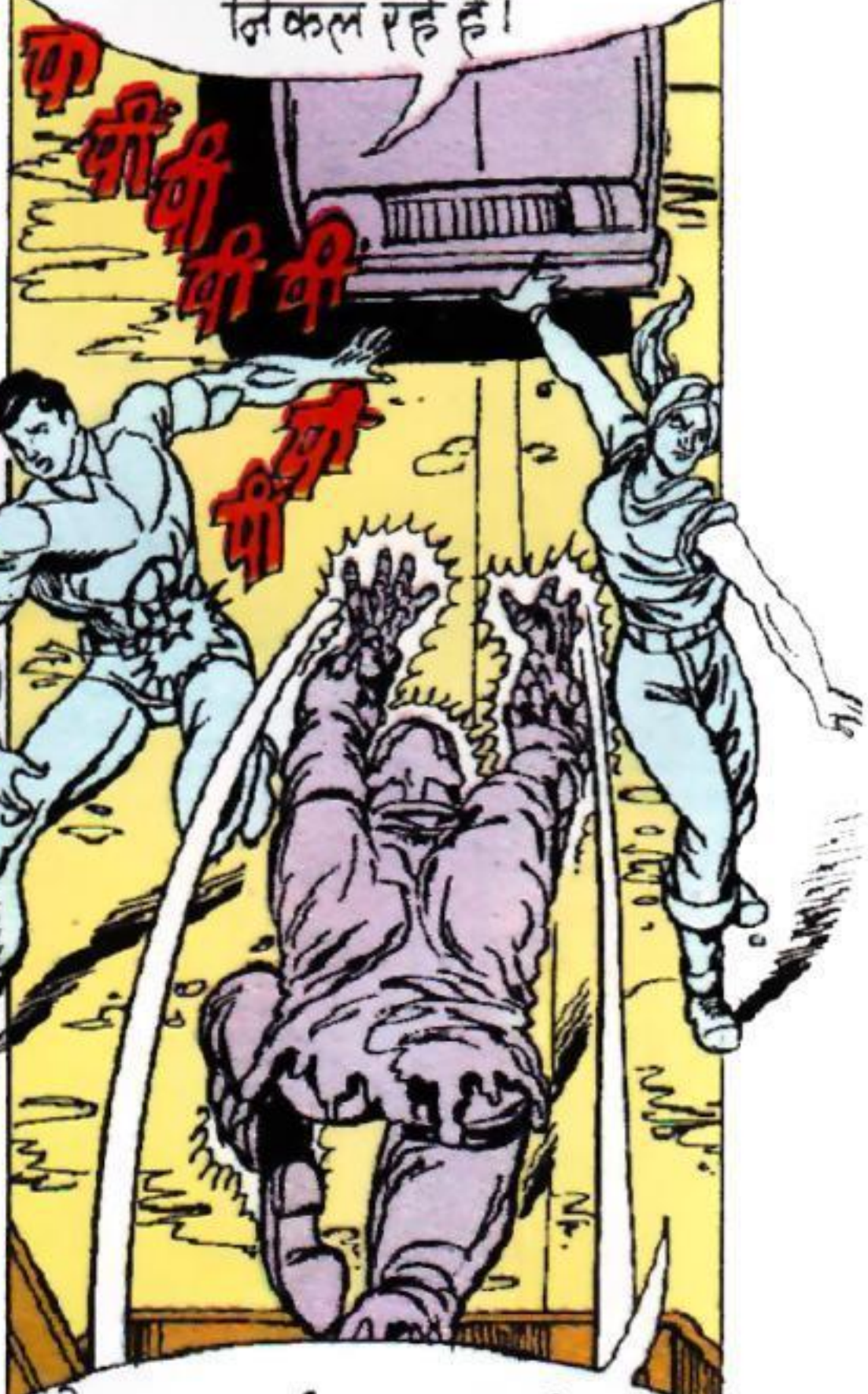
कुछ क्षणों तक सात्रे अपना सन्तुलन खोकर उस पेड़ से चिपका रहा–

और उतनी ही देर में वह हरा-भरा पेड़ एक ठूंठ में बदल गया–

ओह! मैं समझ गया। यह अपने शरीर से रेडिएशन छोड़ता है, जो किसी भी जिन्दा वस्तु की जीवन ऊर्जा खींचकर उसे मृत बना देता है...

...इसको अपने शरीर का स्पर्श करने देना मूर्खता साबित होगी।

इसलिए इसको मैं इस पेड़ से ही बांध देता हूं।

कहीं इसने तुम्हारी स्टार लाईन को भी तोड़ दिया तो? मैं कार से अपना बैग ले आती हूं, जिसमें कुछ हथियारों के साथ-साथ मेरी पुलिस रिवॉल्वर भी है।

उसकी जरूरत नहीं पड़नी चाहिए वेरा। मैं नहीं समझता कि यह नाइलो स्टील की बनी स्टार लाईन को तोड़ सकता है।

ध्रुव का ख्याल सही था। वह सिर्फ यह नहीं जानता था कि सात्रे बिना स्टार लाईन को तोड़े भी आजाद हो सकता था–

गर्र्र्र्र

अरे! स्टार लाईन बगैर इसके शरीर को नुकसान पहुंचाए इसके शरीर से आर-पार हो रही है। ...

...जैसे... जैसे इसका शरीर ठोस न होकर किसी लिजलिजे द्रव से बना हुआ हो। यानी रेडिएशन ने इसके शरीर को 'जैली' जैसा बना दिया है!

इससे पहले कि आश्चर्य के सागर में गोते लगा रहा ध्रुव, उससे उबर पाता–
सात्रे ने एक आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़कर ध्रुव को दबोच लिया–
आआईईईई
आह! पूरे शरीर की शक्ति तेजी से कम होती जा रही है। अब तो चीखने तक की ताकत नहीं बची है।...
...इसके बंधन तोड़ पाना तो बहुत दूर की बात है।
कुछ ही पलों में जान शरीर से अलग हो जानी थी–
और ध्रुव के शरीर से खिंचती जीवन ऊर्जा ने उसकी चीखें निकलवा दीं–
लेकिन हो नहीं पाई। कुछ गोलियां दगीं–
धाँय धाँय धाँय धाँय धाँय धाँय
और गोलियों के धक्कों ने सात्रे के शरीर को हवा में उठाकर दूर फेंक दिया–
ध्रुव!
तुम ठीक तो हो न?
आह! ताकत धीरे-धीरे वापस आ रही है। लेकिन मौत कुछ ही पल दूर थी।
अब चिन्ता की कोई बात नहीं है।
मैंने पूरी छः की छः गोलियां इसके बदन में उतार दीं... ओह!
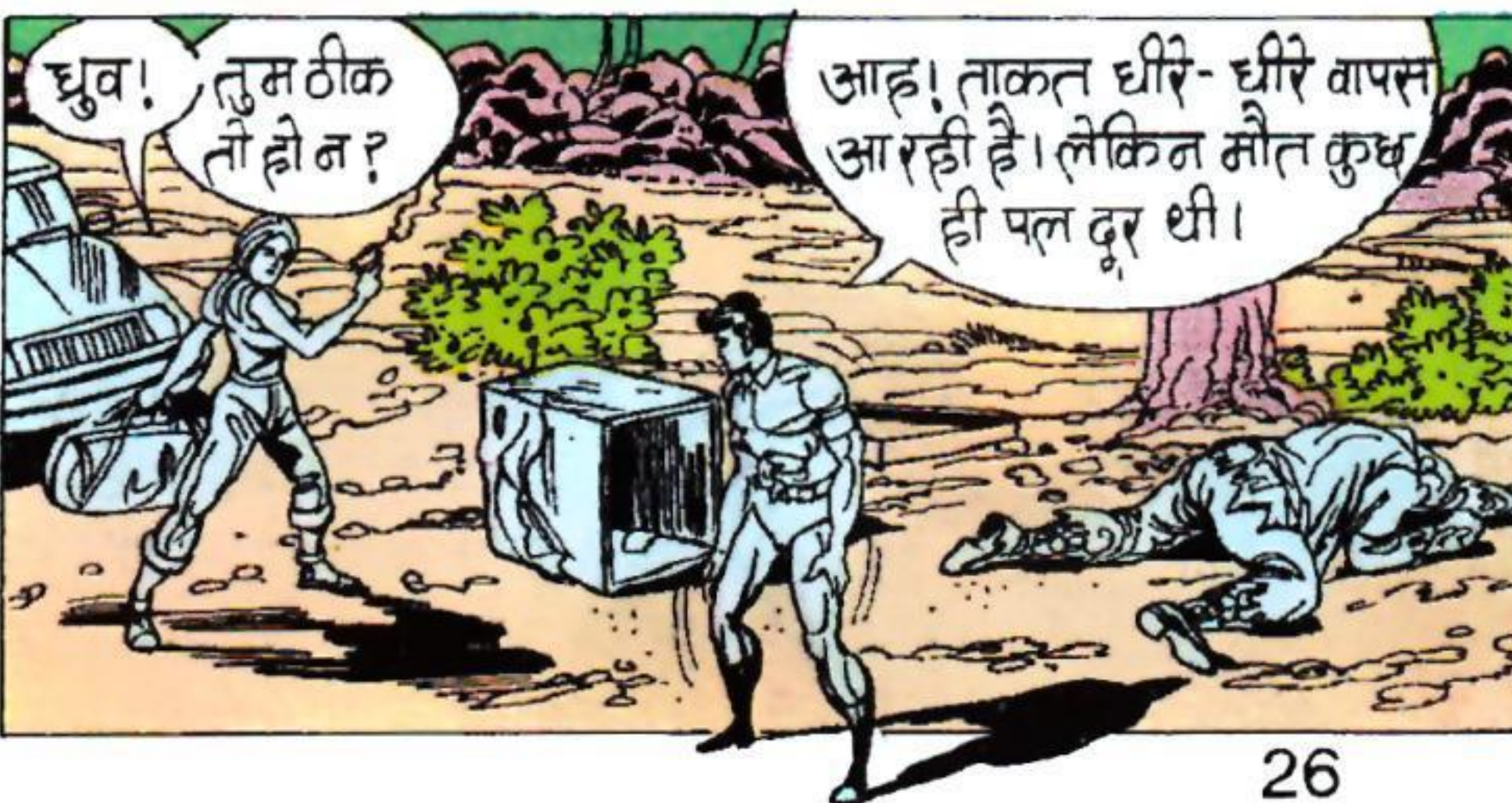
इस पर तो गोलियों का कुछ भी असर नहीं हुआ!
गर्रर्रर्र
असर होना भी नहीं था। क्योंकि इसका शरीर 'जेली' जैसा पिलपिला हो गया है।
गोलियां इसके शरीर में धंस कर बेकार ही गई होंगी।
बचो, वेरा!
ध्रुव के सावधान करने तक सात्रे का शिकंजा, वेरा को दबोच चुका था–
इस बार ध्रुव की बारी थी वेरा की मदद करने की–
उम्मीद है कि जूतों से इसको छूने से मुझ पर कोई असर नहीं होगा!
तड़ाक
कम से कम ध्रुव का यह ख्याल सही निकला–
और वेरा की जान में फिर जान आ गई–
इसको रोक पाना मुश्किल ही नहीं असंभव लगता है ध्रुव! मेरी मानो तो गाड़ी में बैठकर यहां से भाग लो! इसको रोकने की कोशिश करके अपनी जान देने से कुछ भला होने वाला नहीं है।
कैसी बात कर रही हो वेरा! इसको ऐसे छोड़ देने से यह कहीं और तबाही मचाएगा। अपनी मुसीबत को मैं दूसरों पर नहीं डाल सकता। वैसे भी मुझे पूरा विश्वास है कि यह हमारा पीछा छोड़ने वाला नहीं है।
तो फिर इसे रोकें तो रोकें कैसे?

कोई न कोई रास्ता तो जरूर... वह बक्सा। जिसमें बन्द करके जिगसा ने इसको नीचे गिराया था। यही वह रास्ता है।
जिगसा ने इसको इस बॉक्स में इसलिए बन्द किया होगा, क्योंकि अगर यह खुला होता तो जिगसा पर ही हमला कर देता। और यह बक्सा इसकी मुख्य शक्ति रेडिएशन को रोककर रख सकता है।
तुम्हारा मतलब है कि हम इसको वापस बक्से में बंद कर दें?
हां! इसके लिए हमको इसे बक्से की तरफ धकेलना पड़ेगा!
और उसके लिए हमको इस पर संयुक्त हमला करना पड़ेगा।
तड़ाक
धड़ाक
मैं समझ गई ध्रुव!
शायद यह बॉक्स सीसे यानी लेड का बना हुआ है। क्योंकि लेड की चादरें विकिरणों को आसानी से रोक लेती हैं।
ध्रुव और वेरा दो फुटबाल खिलाड़ियों की तरह सात्रे को फुटबाल समझकर खेलते हुए बक्से रूपी गोल तक तो ले आए-
लेकिन उनकी मंशा पूरी नहीं हो सकी-
क्योंकि सात्रे भी उनकी स्कीम को समझ गया था-
और अब उसका वापस पिंजरे में बन्द होने का कोई इरादा नहीं था-
कड़ड़ड़
उसके एक ही शक्तिशाली वार से बक्से की चादरें टूटकर-
हवा में उड़ती हुई नीचे बहती नदी में जा गिरीं-
ओह! अब हम क्या करेंगे ध्रुव?
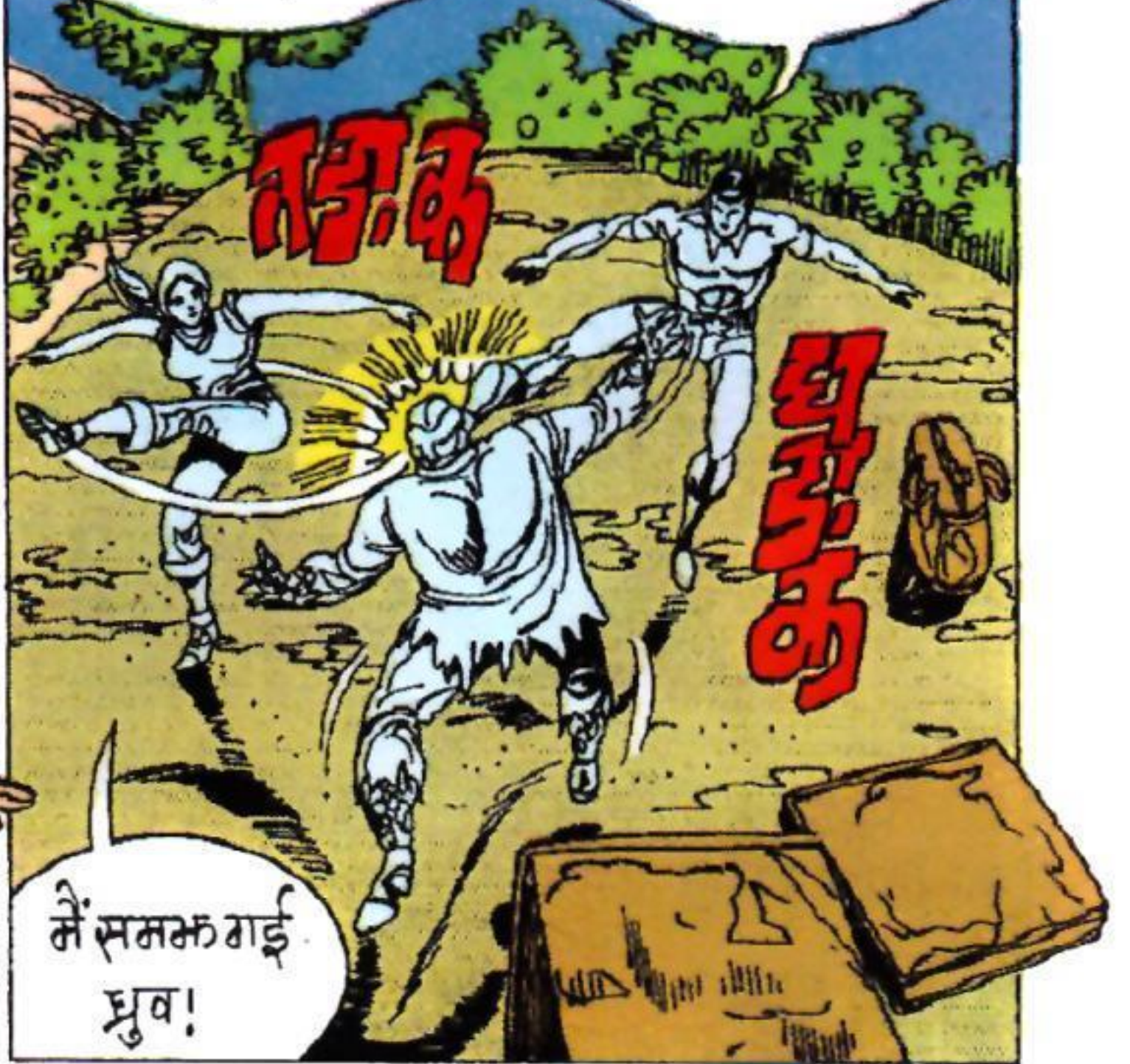
यह तो अब मुझे भी नहीं समझ आ रहा वेरा...
आऽऽह!
इस पर गोलियां असर नहीं करती। लेकिन मेरे पास रिवॉल्वर के अलावा 'पुलिस नाइफ' भी है, जो इसके टुकड़े-टुकड़े कर सकता है।
नहीं, वेरा! यह एक इंसान है।...
...और एक इंसान की जान लेना अनुचित है, चाहे वह किसी भी रूप में क्यों न हो!
हमने इस पर हमला नहीं किया ध्रुव, बल्कि इसने हम पर बिना किसी उकसावे के जानलेवा हमला किया है! और आत्मरक्षा में किसी को मार डालने का हक कानून भी सबको देता है।
ध्रुव के कुछ और कर पाने से पहले ही वेरा के हाथ में थमा चाकू चमक उठा था-
खचाक
और सात्रे का सिर धड़ से जुदा होकर, हवा में उछल चुका था-
लेकिन-
ओ... ओ गॉड! सिर कटने के बाद भी यह हरकत कर रहा है।
यह... इंसान है या भूत!
घबराहट में वेरा के हाथ, पागलों की तरह घूमने लगे-
और सात्रे के शरीर के टुकड़े कट-कटकर सड़क पर तड़पने लगे-
कमाल है! पूरा शरीर अलग-अलग हो गया! लेकिन खून का एक कतरा तक नहीं निकला!
खैर! आखिरकार किस्सा खत्म हुआ! मुझे यह काम पहले ही कर देना चाहिए था...
...अब यहां से चलो ध्रुव! हम अगले पुलिस स्टेशन पर इस घटना की रिपोर्ट लिखवा देंगे! और पुलिस इसके टुकड़े बटोर लेगी।
ध्रुव, वेरा के साथ कार की तरफ बढ़ा-

लेकिन कार तक पहुंचने से पहले ही वे वापस घसीट लिए गए-
तड़ाक
धाड़
अरे! यह क्या? कटने के बाद अलग-अलग होकर भी इसके अंग हम पर हमला कर रहे हैं।
इसका मतलब इसका शरीर जीवन ऊर्जा से नहीं, आणविक ऊर्जा से चल रहा है। क्योंकि गर्दन कटने के बाद तो जीवन ऊर्जा वैसे ही समाप्त हो जाती है।
गर्रर्र! तू ठीक समझा ध्रुव! मेरा मस्तिष्क इस वक्त भी आणविक तरंगों के जरिए अपने अंगों को नियंत्रित कर रहा है। एक बार तुम दोनों को खत्म कर लूं, फिर मैं अपने अंगों को फिर से आणविक ऊर्जा द्वारा जोड़ लूंगा।
और उसके बाद जिग्सा मुझे फिर से पहले जैसा बना देगा।
ओह! तो जिग्सा ने इसे यह प्रलोभन दिया है।
लेकिन मैं समझता हूं कि जिग्सा इसको ठीक नहीं कर सकता। क्योंकि अगर वह ऐसा कर सकता तो इसको छोड़कर भागता नहीं, बल्कि मुझे मारने में इसकी मदद करता।
खैर! वह तो बाद की बात है। फिलहाल तो इन अंगों से निपटने का तरीका सोचा जाए। क्योंकि इनके स्पर्श से मेरे शरीर की जीवन ऊर्जा तेजी से खिंच रही है।

इससे पहले कि ध्रुव कोई तरीका सोच पाता, वेरा की ताकत ने जवाब दे दिया-
उसका शरीर बेहोशी के आलम में कड़ी सड़क से टकराया-
और वेरा को दबोचने वाले शरीर के अंग भी ध्रुव की तरफ लपक गए-
अब ध्रुव को दो के बजाय चार अंगों से निपटना था-
और चारों तरफ से हो रहे प्रहारों ने पहले ही उसकी शक्ति को क्षीणकर दिया था-
आह! अब मैं और मुकाबला नहीं कर सकता! और इन से बचने का कोई रास्ता भी नहीं सूझ रहा है।
तू लाख दिमाग और ताकत लगा ले ध्रुव, लेकिन मैं अपने अंगों से तब तक तुझ पर वार करता रहूंगा, जब तक तू मर नहीं जाता!
इसका सिर! यह खुद तो हिल नहीं पा रहा है लेकिन अपनी आणविक मानसिक तरंगों से अपने अंगों को नियंत्रित करके मुझ पर वार करा रहा है। अगर मैं इस सर को कहीं दूर फेंक सकूं, तो शायद इसके अंगों पर से इसका संपर्क टूटकर नियंत्रण खत्म हो जाए!
तड़ाक
अगले ही पल ध्रुव की एक सधी हुई किक से सात्रे का कटा सर उड़ता हुआ, झाड़ियों और पत्थरों के बीच में जा गिरा-

★ लाइनिंग : सुरक्षा पर्त
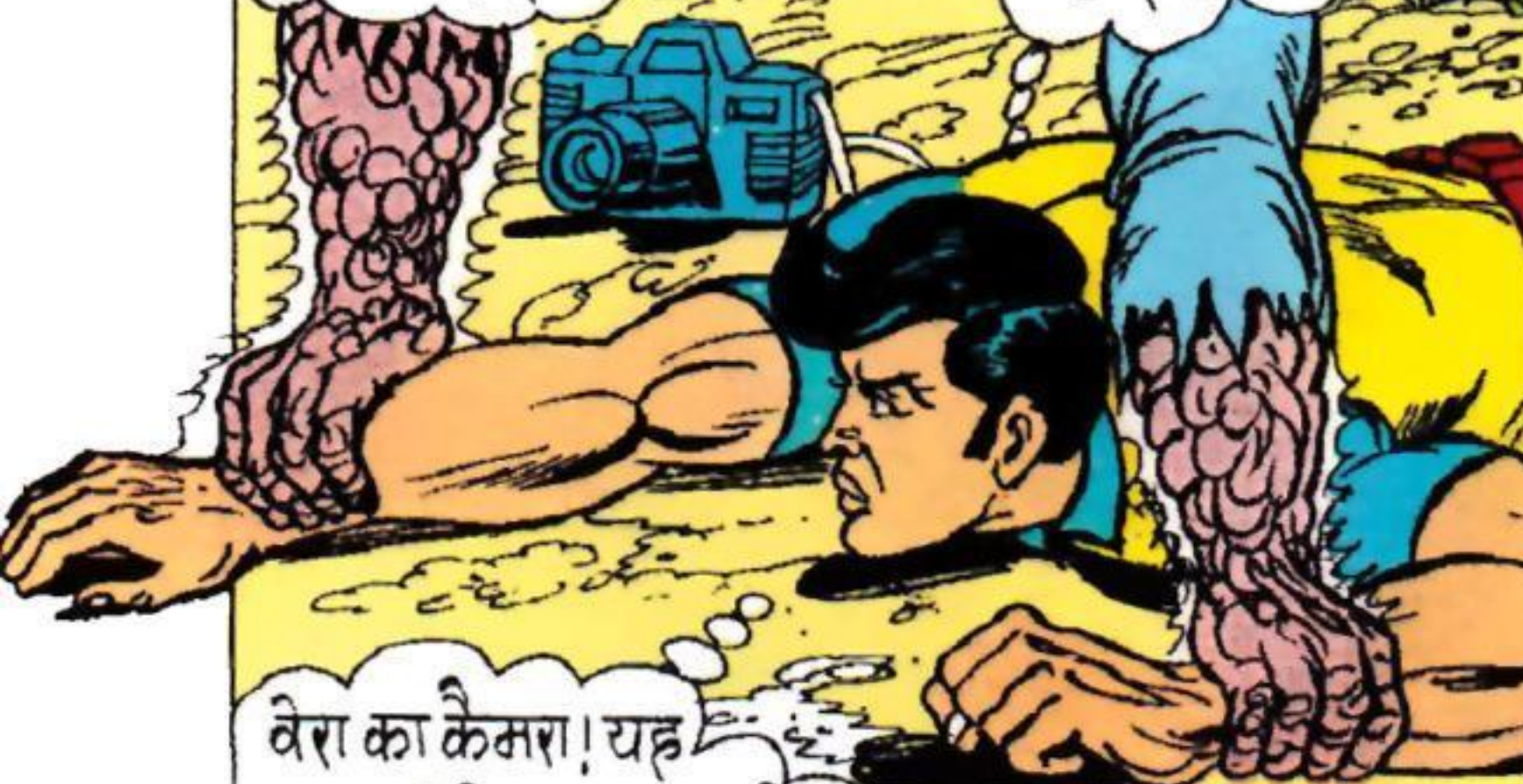
... और मानसिक आणविक तरंगों का निकलना बन्द होते ही अंगों से इसका संपर्क टूट जाएगा...

... और वे दिशाहीन वस्तु की तरह शान्त हो जाएंगे।

सात्रे के शरीर के अंग कुछ देर तक तो जमीन पर गिरी मछली की तरह तड़पते रहे–

तुम होश में आ गई वेरा! शुक्र है भगवान का!

सात्रे को मैंने तुम्हारे कैमरे की मदद से खत्म किया। लेकिन माफ करना, उसके लिए मुझे तुम्हारे कैमरे को तोड़ना पड़ा!

कोई बात नहीं! लेकिन कैमरा तोड़कर तुमको मिला क्या?

लेड! यानी सीसा। कैमरा देखते ही मुझे याद आया कि कुछ कैमरों में 'लेड लाईनिंग' होती है। ताकि अगर कैमरों को एयरपोर्ट जैसी जगहों पर एक्सरे मशीन से गुजारा जाए तो रील को नुकसान न पहुंचे!
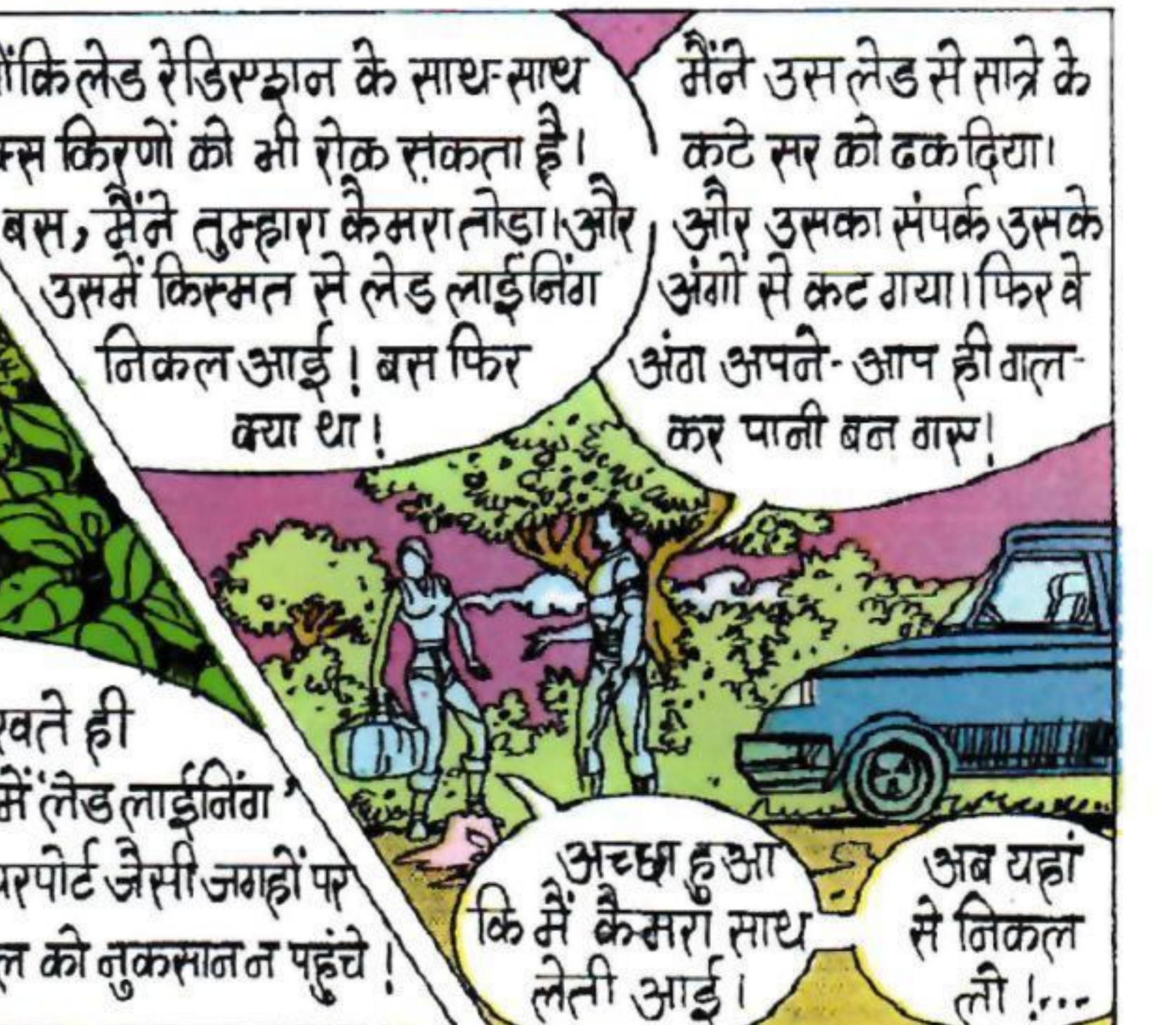
क्योंकि लेड रेडिएशन के साथ-साथ एक्स किरणों को भी रोक सकता है। बस, मैंने तुम्हारा कैमरा तोड़ा। और उसमें किस्मत से लेड लाईनिंग निकल आई! बस फिर क्या था!

मैंने उस लेड से सात्रे के कटे सर को ढक दिया। और उसका संपर्क उसके अंगों से कट गया। फिर वे अंग अपने-आप ही गल-कर पानी बन गए!

अच्छा हुआ कि मैं कैमरा साथ लेती आई।

अब यहां से निकलो!...
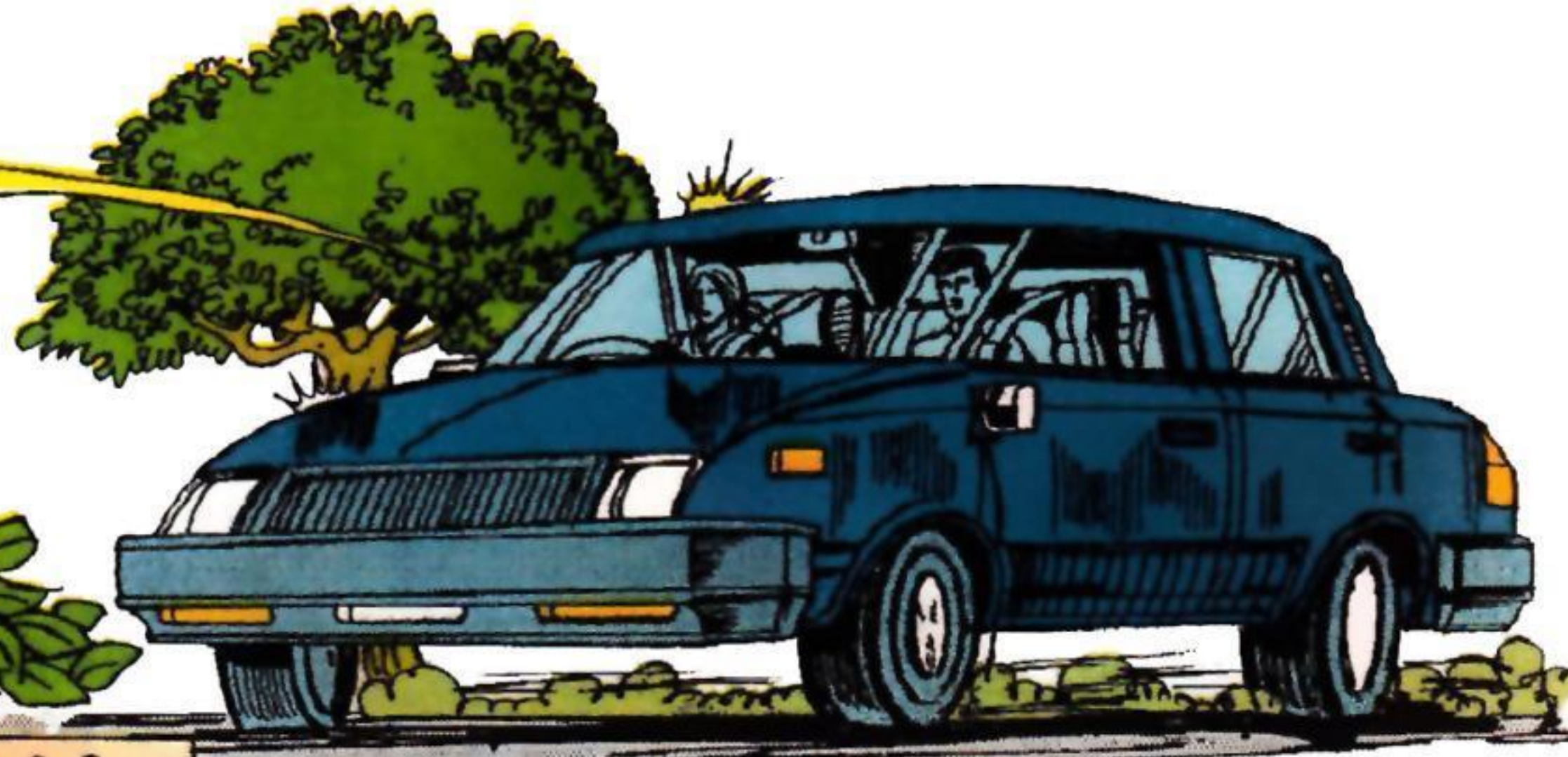
लेकिन हैलीकॉप्टर और कार की गति में बहुत फर्क होता है। जिग्सा और लूका, ल्योन पहुंच चुके थे-

वेलकम, जिग्सा! और ध्रुव की मौत पर बधाई हो। क्योंकि अब तक तो सात्रे ने उसे खत्म कर ही दिया होगा।

हां, मैंने हैलीकॉप्टर से तुमको मैसेज तो यही भेजा था। लेकिन अब मुझे किसी भी चीज पर भरोसा नहीं रह गया है! यह भी हो सकता है कि ध्रुव को सात्रे न मार पाए। तुम यहां पर सतर्क रहो, क्योंकि ध्रुव यहां तक पहुंच सकता है।

मैं सतर्क हूं। और यहां पर बाकी तैयारी भी पूरी हो चुकी है।

तुम एक बार कंट्रोल रूम में जाकर सब देख आओ।

जिग्सा ने अपने शक्तिशाली हाथों से दीवार से चिपकी विशाल घड़ी को दरवाजे की तरह खोला, और नीचे जा रही सीढ़ियां साफ दिखने लगीं-

चींईईईई

अगले आधे घंटे तक जिग्सा की उंगलियां कंट्रोल बोर्ड पर थिरकती रहीं-
और योरोप के लगभग सभी 'आणविक मिसाइल सेंटरों' पर गड़बड़ी होनी शुरू हो गई-
अरे! यह क्या हो रहा है? हमारे कंप्यूटर के सारे कमांड बदलते जा रहे हैं।
ऐसे तो मिसाइलें हमारे कमांड में नहीं रहेंगी।
ऐसे ही दृश्य हर मिसाइल सेंटर पर देखे जा सकते थे-
हमारे सारे 'कोडवर्ड' और 'पासवर्ड' बदलते जा रहे हैं सर! कोई जानबूझकर ये काम कर रहा है। और अब वह मिसाइलों को कंट्रोल कर सकता है।
ओ माई गॉड! हम पूरे कंप्यूटर-सिस्टम को बन्द नहीं कर सकते क्या?
कर सकते हैं सर! लेकिन इस सिस्टम को बन्द करते ही मिसाइलों के अन्दर लगी कंप्यूटर प्रणाली अपने-आप चालू हो जाएगी, और फिर हम मिसाइलों को पहले से ही फिक्स निशानों पर छूटने से रोक नहीं पाएंगे!
हर जगह इसी की चर्चा होने लगी-
अमेरिका स्थित व्हाइट हाउस में भी-
तो फिलहाल हम क्या कर सकते हैं?
कुछ नहीं मिस्टर प्रेसीडेंट! हम कोई रास्ता ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल पूरी दुनिया उस राक्षस के रहमो-करम पर है, जिसने यह गड़बड़ की है।
वैसे अभी-अभी फ्रेंच दूतावास से आई रिपोर्ट के अनुसार 'जिग्सा' नामक एक अपराधी...
... अरे! कंप्यूटर पर कोई मैसेज आ रहा है!
ATTENTION MR. PRESIDENT
मैसेज जिग्सा द्वारा ही भेजा जा रहा था-
ओह! यह तो जिग्सा का ही सन्देश है। सारे योरोप की आणविक मिसाइलें मेरे कब्जे में हैं। अगले चौबीस घंटे के अन्दर-अन्दर अगर मुझे पचास खरब डालर मूल्य का सोना मेरे बताए पते पर न भेजा गया, तो सारी मिसाइलें एक साथ दाग दी जाएंगी!

यही मैसेज आपके देश अमेरिका के अलावा, योरोप के बाकी देशों की सरकारों के पास भी भेजा जा रहा है।... जिग्सा!

यह जिग्सा तो बहुत तेजी से काम कर रहा है। अब हम क्या करें, मिस्टर प्रेसीडेंट?

सभी मित्र देशों के पास सूचना भिजवा दी कि वे अपने-अपने हिस्से का सोना तैयार रखें। अगर अगले तेईस घंटे तक इस मुसीबत को रोकने का उपाय न मिले तो चौबीस घंटे में सोना दे दिया जाए।...

...क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि यह जिग्सा कोरी धमकी नहीं दे रहा है। अब या तो इस दुनिया को हमारे वैज्ञानिक बचा सकते हैं, और या फिर भगवान!

अमेरिकी राष्ट्रपति यह नहीं जानते थे कि इन दोनों के अलावा एक तीसरा शख्स भी था, जो जिग्सा को रोक सकता था-

और वह जिग्सा के पास तक पहुंच चुका था-

यही है वह एस्टेट जहां रघुवंशी अंकल रहते थे ध्रुव! देखो काकातुआ भी शायद यही बता रहा है!

हां, वेरा! आखिरकार मैं ल्योन में पिताजी के घर तक पहुंच ही गया!

अब देखना यह है कि मेरे परिवार में और कौन-कौन लोग रहते हैं, और वे लोग मेरा स्वागत करते हैं या तिरस्कार!

रघुवंशी ? कौन रघुवं...? ओह! तुम मेरे देवर रघुवंशी के बेटे हो ? उसी रघुवंशी के बेटे, जिसने एक बेगुनाह इंस्पेक्टर के खून से अपने हाथ रंगकर इस खानदान के माथे पर हमेशा के लिए कलंक लगा दिया।...
... और उसके बाद न जाने कहां भाग कर छुप गया। कहां है वह कलंकी ? और तुम्हारी यहां आने की हिम्मत कैसे हुई ?

आपने मेरे पिता रघुवंशी को देवर कहा। यानी आप उनकी भाभी और मेरी ताई हुई। लेकिन आप तो बिना मेरे कुछ बोले ही बरस पड़ीं।
मुझे अपने पिता के बारे में कुछ दिनों पहले ही पता चला। और मैं उनके नाम पर लगा दाग छुड़ाने फ्रांस तक आ गया। और यहां आकर मैंने साबित कर दिया कि वे निर्दोष थे। उनको फंसाया गया था।
ध्रुव ठीक कह रहा है मिसेज ?
मार्सेल! मेरा नाम मार्सेल है।
मैं रघुवंशी के बड़े भाई रघुपति की पत्नी हूं।

हां, तो मिसेज मार्सेल! मेरा नाम वेरा है। मैं पेरिस में एक पुलिस इंस्पेक्टर हूं। ध्रुव के पिता पर मेरे पिता ल्यूबेक की हत्या का ही आरोप था। लेकिन पिछले दिनों यह साबित हो गया है कि मेरे पिता की हत्या पुलिस कमिश्नर फ्रांस्वा और जिग्सा नाम के एक अपराधी ने मिलकर की थी...
... और रघुवंशी को उस हत्या में फंसाकर हत्यारा बना दिया गया था।
ओह! यानी... यानी जिग्सा तब से हमारे खानदान के पीछे पड़ा हुआ है।
लेकिन देवरजी कहां हैं ? वे तुम्हारे साथ क्यों नहीं आए ?
आओ! अन्दर आओ!

वे और मेरी मां हिन्दुस्तान में हुए एक हादसे में नहीं रहे। लेकिन आपने जिग्सा का नाम ऐसे लिया, जैसे आप उसको बहुत पहले से जानती हो ? कौन है जिग्सा ?
किससे बात कर रही हो मार्सेल ?

ओह! आइए! देखिए, कौन आया है ? आपका भतीजा यानी रघुवंशी का बेटा ध्रुव !
ये तुम्हारे ताऊ हैं ध्रुव! मेरे पति रघुपति।
ध्रुव!

ध्रुव ने अपने-आप ही मार्सेल को झूठ सोचने की मुसीबत से छुटकारा दिला दिया था—

ओह! तुम पर भी हमला हुआ? जरूर यह जिगसा की ही साजिश होगी, जिसमें उसने लूका बेचारे को अपना मोहरा बनाया है!

पीं पीं पीं पीं

यह आवाज?

ओह! मेरे 'पेजर' पर कोई मैसेज आ रहा है!

पेजर पर मैसेज पढ़ते ही वेरा चौंक उठी—

ध्रुव, इधर आओ! मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है।

अभी-अभी पेजर पर 'पुलिस मैसेज' आया है कि जिगसा ने 'स्क्रैम्बलर' से योरोप की सारी मिसाइलों को अपने कब्जे में ले लिया है, और चौबीस घंटे के अन्दर पचास बिलियन डॉलर का सोना मांगा है।

ओह! लेकिन जिगसा ने हैलीकॉप्टर में जाते हुए कहा था कि वह ल्योन जा रहा है। यानी यहीं पर!

हां, पुलिस डिपार्टमेंट भी यह जानता है कि जिग्सा फ्रांस में ही है। इसलिए ऑर्डर आया है कि हर पुलिस वाला जिग्सा की तलाश में जुट जाए।
ठीक है। जिग्सा, ल्योन में ही है। और ल्योन में रह चुकने के कारण तुम्हारे यहां पर काफी संपर्क होंगे। तुम अपनी तलाश शुरू कर दो। मैं भी यहां पर सब निपटाकर तुम्हारा साथ देने आता हूं।
वेरा, तुरन्त जिग्सा की तलाश में वहां से रवाना हो गई--
यह इंस्पेक्टर कहां गई ध्रुव?
वह पहले ल्योन में ही रहती थी। अपने जान-पहचान वालों से मिलने गई है।
मैं तो आपलोगों के बारे में एकदम अंजान हूं ताईजी। आपदोनों और लूका के अलावा मेरे परिवार में और कौन-कौन है?

तुम्हारे दादा हैं ध्रुव। दर-असल उनके सिर्फ दो ही बेटे हुए। एक तुम्हारे पिता रघुवंशी, जो अब नहीं रहे, और दूसरे उनके बड़े भाई रघुपति, जो मेरे पति हैं।
तो... दादाजी अब कहां हैं?

रघुवंशी पर कातिल होने का आरोप लगाने और उसके लापता हो जाने के बाद से ही दादाजी की तबियत खराब रहने लगी थी।...
...और फिर लगभग पांच साल पहले उन पर पक्षाघात यानी 'पैरालिसिस' का अटैक पड़ा, और तब से वे न हिल सकते हैं, और न बोल सकते हैं।...
...वैसे मैं उनकी देखभाल करती हूं। और जब मैं यहां नहीं रहती तो किसी नर्स को बुला लेती हूं। वे ऊपर कमरे में रहते हैं।
ऊपर कमरे में? मैं... मैं जाकर उनसे मिल सकता हूं!
हां, क्यों नहीं।
आओ!

और फिर-
ये रहे!
दादाजी!
अगर इस बूढ़े के ठीक होने और इस पर दबाव डालकर अपने नाम वसीयत करवा सकने की आशा न होती, तो इसको कभी का मरने के लिए छोड़ दिया होता।

उम्मीद तो कम है। वैसे डॉक्टर ने हवा-पानी बदलने को कहा है। शायद उससे कुछ असर पड़े। इसीलिए हम इस एस्टेट को बेचकर यहां से कहीं दूर जाने की सोच रहे हैं।

मार्सेल बड़ी चतुराई से असली मुद्दे पर आ रही थी—

लेकिन ध्रुव के जवाब ने उसकी सारी आशाओं पर पानी फेरकर रख दिया—

एस्टेट को बेचने की क्या जरूरत है ताईजी? यह तो हमारे पुरखों की निशानी है। आपको जितने पैसों की जरूरत हो...

...मुझसे कहिए। मैं कहीं न कहीं से कोशिश करके पैसों का इंतजाम कर दूंगा।

ये पट्ठा तो सारी बात ही गोल कर गया।

खैर! ये बातें तो होती ही रहेंगी।

चलो, पहले चाय पी लो!

तुम डिनर कितने बजे लेते हो ध्रुव?

डिनर के लिए मैं नहीं रुकूंगा। मुझे अभी बेरा के पास काम से जाना...

...अरे! वह कौन है?

उस रहस्यमय आकृति के गमले को पकड़े हुए हाथ घूमे-
और गमला हवा में उड़ता हुआ-
ध्रुव के पैरों के पास आकर गिरा-
शायद गमला फेंकने वाले में ज्यादा शक्ति नहीं थी-
ओह!
रघुपति! पकड़ो उसे!
रघुपति और मार्सेल के साथ, ध्रुव भी ऊपर की तरफ भागा। लेकिन-
अरे! कहां गायब हो गया? कहीं नजर नहीं आ रहा है!
दादाजी को देखिए! कहीं वह उनको तो नुकसान पहुंचाने नहीं आया था?
नहीं! तुम्हारे दादाजी एकदम सुरक्षित हैं।
तो फिर वह कौन था? और यहां पर करने क्या आया था? मुझ पर गमला फेंकने?
या वह जिग्सा का कोई आदमी था जो मुझे चेतावनी देने यहां तक आ गया था?
यह तो मुझे भी नहीं पता कि वह रहस्यमय इंसान कौन था? इससे पहले तो कभी उसको देखा नहीं। वह अन्दर तक कैसे आ गया, और फिर कहां गायब हो गया?
तुम चिन्ता मत करो ध्रुव! उसका पता चल ही जाएगा। तुम उस... क्या नाम है... वेरा के पास जाने की बात कर रहे थे न? तुम अपना काम निपटाकर आराम से आओ!
नहीं, ताईजी! फिलहाल मैंने जाने का इरादा बदल दिया है। न जाने क्यों मुझे थकान सी महसूस हो रही है।

ह...हां, हां! क्यों नहीं होगी। इतने लम्बे सफर से जो आ रहे हो! चलो! मैं तुमको तुम्हारा कमरा दिखा दूं। तुम फ्रेश हो लो और थोड़ा आराम कर लो। तब तक मैं डिनर की तैयारी करती हूं।
धन्यवाद ताईजी!

अपने कमरे में पहुंचकर, अकेले होते ही ध्रुव के दिमाग में विचारों की रेल, तेज गति से दौड़ने लगी–
पहले तो सब-कुछ ठीक लग रहा था। लेकिन उस रहस्यमय आकृति के एकदम दिखाई पड़ने से कुछ गड़बड़ लग रही है... ...मुझ पर गमले से हमला करना कोई बेवकूफ ही सोच सकता है। शायद वह मुझ पर हमला नहीं, बल्कि मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा था। परन्तु?

उसने गमला उठाया, फेंका। गमला मेरे पैरों के पास आकर गिरा। आवाज हुई... ओह! मैं समझ गया! वह नकाबपोश मेरी मदद कर रहा था। पर उसने मुझे जो बताया, उसके लिए मुझे रात गहराने का इन्तजार करना होगा!
ध्रुव अपनी चाल चलने की तैयारी कर रहा था–

और मोहरे दूसरी तरफ से भी बढ़ाए जा रहे थे–
उसको कुछ शक हो गया है जिगसा! तभी उसने यहां से जाने का इरादा एकाएक बदल दिया!
कहो तो आज ही रात उसको मौत की नींद सुला दूं जिगसा!
नहीं! उसकी मौत से यहां पर पुलिस की भीड़ उमड़ पड़ेगी। क्योंकि वह वेरा उससे मिलने जरूर आएगी!

अगर ध्रुव उसको जिन्दा नहीं मिला तो कातिल की तलाश में पुलिस इस इमारत का चप्पा-चप्पा छान मारेगी। शायद यहां बेसमेंट तक भी पहुंच जाए, और फिर हमारा पचास बिलियन डॉलर वसूलने का प्लान, एक सपना बनकर रह जाए। उसको मारो मत, सिर्फ हम तक पहुंचने से दूर रखो!
ठीक है! ऐसा इंतजाम कर देता हूं कि आज रात वह जगे ही नहीं!

★ यह जानने के लिए पढ़ें : खूनी खानदान

ध्रुव की तरफ से निश्चिन्त जिग्सा, मार्सेल और लूका सपनों के सागर में गोते लगा रहे थे-
पचास बिलियन डॉलर का सोना मैंने प्रशान्त महासागर में स्थित किंलासी नामक देश में मंगवाया है। वह एक द्वीप है, और उसका तानाशाह शासक मेरा पुराना दोस्त है। एक बार सोना वहां पहुंच जाए, उसके बाद किंलासी के मालिक हम होंगे!
और एक स्वतंत्र देश होने के कारण कोई हमें छू भी नहीं सकेगा। पर इस ध्रुव का क्या करें?

वैसे तो अब हमें न तो उससे मतलब है, और न ही उसकी जरूरत! फिर भी वह भविष्य में हमारे लिए खतरा बन सकता है। इसलिए जाने से पहले हम उसे और बूढ़े, दोनों को ठिकाने लगा जाएंगे।
ध्रुव को ठिकाने लगाना इतना आसान नहीं है, जिग्सा...
?

... क्योंकि ध्रुव को तुम्हारे ठिकाने का पता लग चुका है।
ध्रुव! तू...तू बेहोश नहीं हुआ? पर यहां का पता कैसे लगा लिया तूने?
मैं अगर बेहोश हो जाता तो तुम लोगों को बेहोश कैसे करता, ताई?

और रही यहां पहुंचने की बात, तो भला हो उस नकाबपोश फरिश्ते का जिसने मुझे यहां का रास्ता बताकर तुमलोगों की दुनिया को बंधक बनाकर सोना ऐंठने की स्कीम पर, पानी फेरने के लिए यहां भेज दिया!
मैं कह रहा था मार्सेल कि वह नकाबपोश ज्यादा खतरनाक है। उसको ढूंढो! पर तुमने मेरी बात की गंभीरता से नहीं... आह!
घबराओ मत जिग्सा! ये एक है, और हम तीन! यह यहां से जिन्दा बचकर नहीं जाएगा, और न ही हमको पकड़ पाएगा!
तड़ाक

अभी मैं तुम लोगों को पकड़ने की सोच भी नहीं रहा हूं लूका भइया! फिलहाल तो मेरा इरादा तुम लोगों की मशीनें तोड़ने का है। क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि ये मशीनें ही तुम लोगों की गन्दी स्कीम का सेंटर है।
कड़ाक
इसे रोको, लूका! रोको!

ध्रुव को पकड़ पाना इतना मुश्किल नहीं था-

तो इतना आसान भी नहीं था-
धमम्म

लेकिन उस 'कंट्रोल सेंटर' में कलाबाजी खाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी-
और ध्रुव के दुश्मन, तीन तरफ से वार कर रहे थे-
इस संकरी जगह में मुझे फुर्ती दिखाने में थोड़ी दिक्कत हो रही है!
ये तीनों मिलकर मुझ पर हावी तो हो सकते हैं, लेकिन उससे पहले मैं दुनिया को बचाने का इन्तजाम जरूर करूंगा!...
... इस कंट्रोल सेंटर को तोड़ कर। चाहे उससे मेरी जान ही क्यों न चली जाए!

ध्रुव अपना सारा ध्यान 'कंट्रोल पैनल' तोड़ने में लगा रहा था, और यह बात उसको मंहगी पड़ने जा रही थी–

ओह! लूका और जिगसा में 'पॉवर कैप्सूलों' को खाने की वजह से जबरदस्त शक्ति है। मैं इनके शिकंजे से छूट नहीं पा रहा हूं।★

इस वक्त अगर मुझे थोड़ी सी मदद मिल जाए तो अब मैं पहले इनको पीटूंगा और फिर 'कंट्रोल पैनल' को तोड़ूंगा। कितना अच्छा हो, अगर वेरा मुझे ढूंढ़ते-ढूंढ़ते यहां आ जाए, या फिर वह रहस्यमय नकाबपोश कहीं से प्रकट हो जाए।

लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं आया–

मदद कहीं और से ही आ गई–

इमारत के बाहर काफी देर से बैठा हुआ काकातुआ, ध्रुव से मिलने को एकाएक बेताब हो उठा था–

टॉय टॉय टॉय

काकातुआ! वाह प्यारे। तू फिर से मेरी मदद करने आ गया!

काकातुआ के आगमन ने ध्रुव को वह मौका दे दिया था, जिसकी उसे तलाश थी–

तुम लोगों ने ही आज से पच्चीस साल पहले मेरे पिता श्याम पर झूठा कलंक लगाकर उसे गुमनामी की जिन्दगी जीने पर मजबूर कर दिया था। आज मैं तुम लोगों की शक्लें इतनी बिगाड़ दूंगा कि चेहरा रहते हुए भी तुम लोग गुमनाम हो जाओगे! ...

★ यह जानने के लिए पढ़ें : खूनी खानदान

इसको टॉर्चर-रूम में ले चलो! वहीं जहां पर हमने वेरा के बाप ल्यूबेक के टुकड़े-टुकड़े करके, उन टुकड़ों को लॉन में बिखेर दिया था।

कुछ ही देर बाद, ध्रुव को बलि चढ़ाए जाने वाले बकरे की तरह बांध दिया गया था—

तू शुरू से हमारा नुकसान पर नुकसान करता आ रहा है ध्रुव! इस बार तो तू बहुत बड़ा नुकसान कर डालता!

पर तूने सिर्फ कंट्रोल-पैनल को नुकसान पहुंचाया। जबकि असली चीज तो 'स्क्रैमबलर' है! और वह जहां पर फिट है, वहां तक पहुंचने की तो तुम सोच भी नहीं सकते!

इतना सब कुछ तुम इस मार्सेल और लूका की बदौलत ही कर पाए हो जिग्सा! लेकिन ये तुम्हारी चमचागिरी क्यों करते हैं? आखिर तुम हो कौन?

यह या तो मेरे कुछ खास लोग जानते हैं और या फिर भगवान। अभी 'हाइड्रोलिक प्रेशर' से दबने वाले 'पंचिंग-किलर' का दरवाजा बन्द होगा। कीलें तेरे शरीर में धीरे-धीरे घुसेंगी। खून के फव्वारे एक साथ फूटेंगे और तेरे मुंह से कई सारी चीखें एक-एक करके निकलेंगी।...
... उसके बाद तू खुद ही भगवान के पास पहुंच जाएगा। उसी से पूछ लेना कि कौन है जिम्सा!
'हाइड्रोलिक प्रेशर' धीरे-धीरे बढ़ने लगा। और दरवाजा बंद होने लगा—

कीलें, ध्रुव के शरीर को छेदने के लिए बेताब होने लगीं—
दरवाजा कहीं अटक रहा है जिम्सा!
अटक नहीं रहा है। भतीजे का बदन जरा कड़ा है। कीलें इसके शरीर के अंदर घुसने में थोड़ा समय तो लेंगी ही!

और फिर दरवाजा एक तेज आवाज के साथ बंद हो गया—
और साथ ही गूंज उठी ध्रुव की एक तेज चीख—
भड़ाक
ईयाऊ
हा हा हा! देखा कितनी मीठी चीख थी। मजा आ गया।

अब जरा दरवाजा खोलकर इसकी छलनी हुई लाश देख... अरे!
ठक ठक ठक ठक
ऊपर से आवाज आ रही है।...
... फर्श पर कोई चल रहा है। कौन हो सकता है यह?

जरूर वह नकाबपोश होगा। चलो! जल्दी कंट्रोल रूम में चलो। कहीं वह हमारे पीछे से कुछ तोड़-फोड़ न कर डाले!
तीनों, ध्रुव की लाश का नजारा देखना भूलकर—

कंट्रोल रूम में पहुंचे—
यहां तो कोई भी नहीं है।
अब चलने की आवाज भी नहीं आ रही है!
मार्सेल! तुम ऊपर जाकर देखो! और अगर कोई हो तो स्थिति को संभाल लेना!

लेकिन इससे पहले कि मार्सेल ऊपर जाने के लिए कदम बढ़ाती—
TURE
अरे! 'पंचिंग किलर' का दरवाजा अपने-आप उड़ता हुआ कैसे आ रहा है?
अपने-आप नहीं, ताईजी, इसको मैं लेकर आ रहा हूं।
घुप!
तुम्हारा 'कंट्रोल-पैनल' एक ही वार में नष्ट करने के लिए!
ओह नो!
चड़ड़ड़
कड़ड़ड़
दरवाजे की कीलें, कंट्रोल पैनल में अलग-अलग स्थानों पर धंसती चली गईं। और पूरा पैनल शार्ट-सर्किट से चमक उठा—
तू... तू बच कैसे गया? मैंने तो तेरी चीख सुनी थी।
यह कमाल उस एसिड कैप्सूल का है, जिग्सा, जिसको मैंने बंधने से पहले अपनी बेल्ट से निकालकर अपने मुंह में रख लिया था।
...उस वक्त मैं दरवाजे की एक कील को अपनी बेल्ट में लगे स्टार से अड़ाकर दरवाजे को रोके हुए था।
और जब तक दरवाजा अटका हुआ था तब तक मैंने अपने दांतों से कैप्सूल को दबाकर एसिड की धार से तुम्हारे 'पंचिंग किलर' की पीछे की दीवार को काट डाला था!
तुमको ताईजी की वह बात ध्यान से सुननी चाहिए थी जिग्सा, जब इन्होंने कहा था कि दरवाजा अटक रहा है!...
ईईईई

और उसके बाद मेरी चीख की आवाज तुमने सुनी थी, वह सिर्फ इसलिए थी ताकि उसके शोर में तुम पीछे की दीवार टूटने की आवाज न सुन सको।...
...और आजाद होने के बाद मैंने और एसिड कैप्सूलों का प्रयोग करके अपने हाथों और पैरों को आजाद कर लिया।
तू सिर्फ 'पंचिंग किलर' से ही आजाद नहीं हुआ है लड़के। तूने अपनी जिन्दगी से आजाद होने का भी रास्ता ढूंढ लिया है। मेरी सारी स्कीम का सत्यानाश कर दिया तूने! अब तू नहीं बचेगा।
ठक
जिग्सा की धमकी पूरी होने तक ध्रुव के शक्तिशाली हाथों ने दरवाजे से कीलों को उखाड़ना शुरू कर दिया था—
अब बचोगे तो तुम लोग नहीं। क्योंकि तुम लोग न सिर्फ कमीने, विश्वासघाती और खूनी हो, बल्कि तुम लोग पूरी दुनिया के गुनहगार हो।... और गुनहगारों को ध्रुव कभी नहीं छोड़ता।
ठक
इधर ध्रुव अपने दम पर तीनों षड्यंत्रकारियों का अकेला मुकाबला कर रहा था—
और उधर दुनिया वाले चैन की सांस ले रहे थे—
जिग्सा का कंप्यूटर कमांड हट गया है सर! अब हम फिर से अपने कमांड कंप्यूटर में भर सकते हैं।
थैंक गॉड! यानी अब पृथ्वी को उस पागल से कोई खतरा नहीं रहा। पर इस खतरे को टाला किसने?
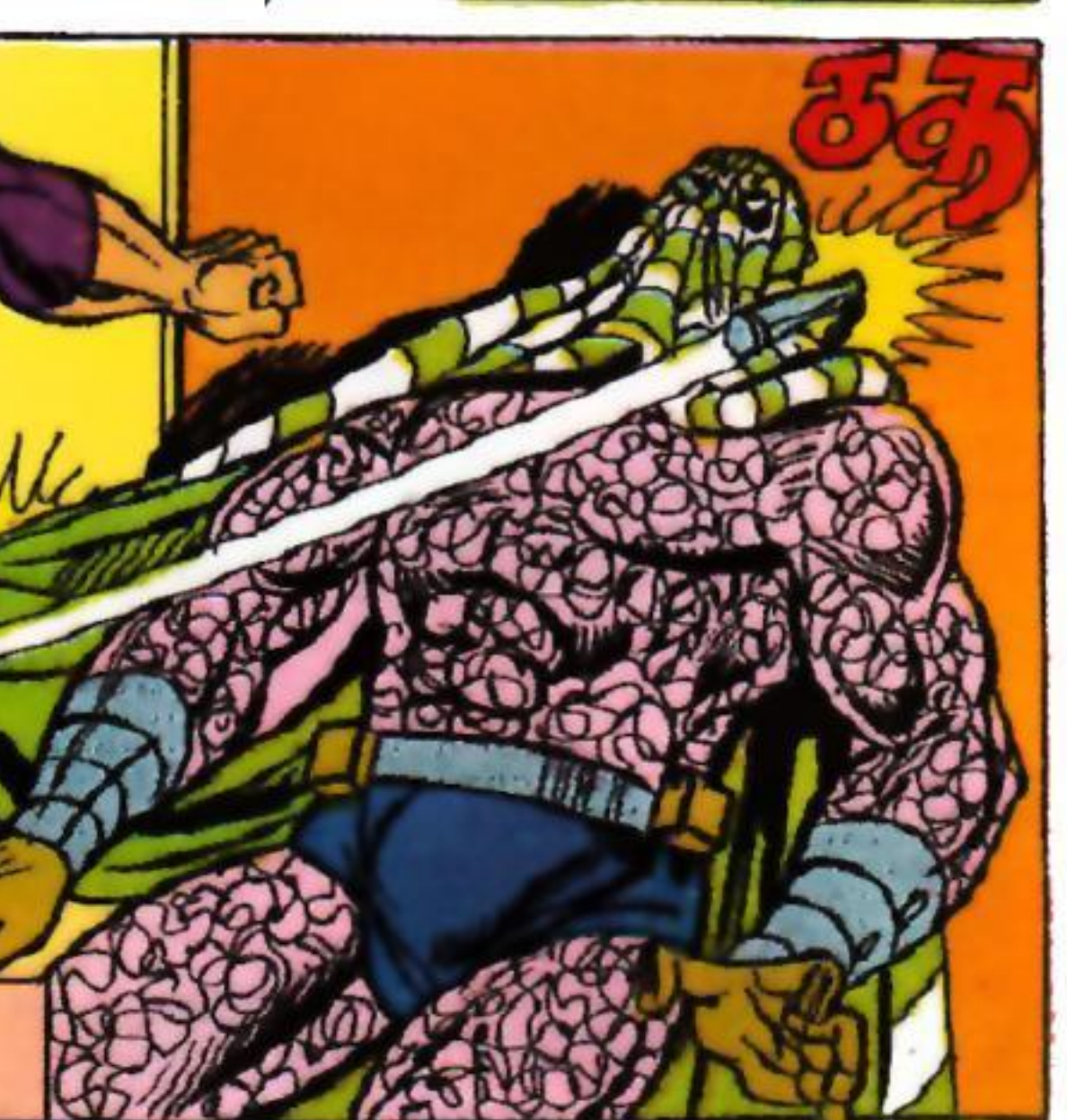
लेकिन मार्सेल के निशाना लगा पाने से पहले वह खुद निशाना बन गई–

कौन?

धांय

टाक

मैं इंस्पेक्टर वेरा! और मेरी रिवॉल्वर में अभी पांच गोलियां और बची हैं। ... तुम लोग सिर्फ तीन हो। हिलना मत!

ओह! तो फर्श पर चलने की आवाज तेरे जूतों की थी!

जिगसा परिस्थिति को पूरी तरह से भांप गया था–

तड़ाक

लूका, मार्सेल! बाहर जाने वाले दूसरे दरवाजे की तरफ भागो!
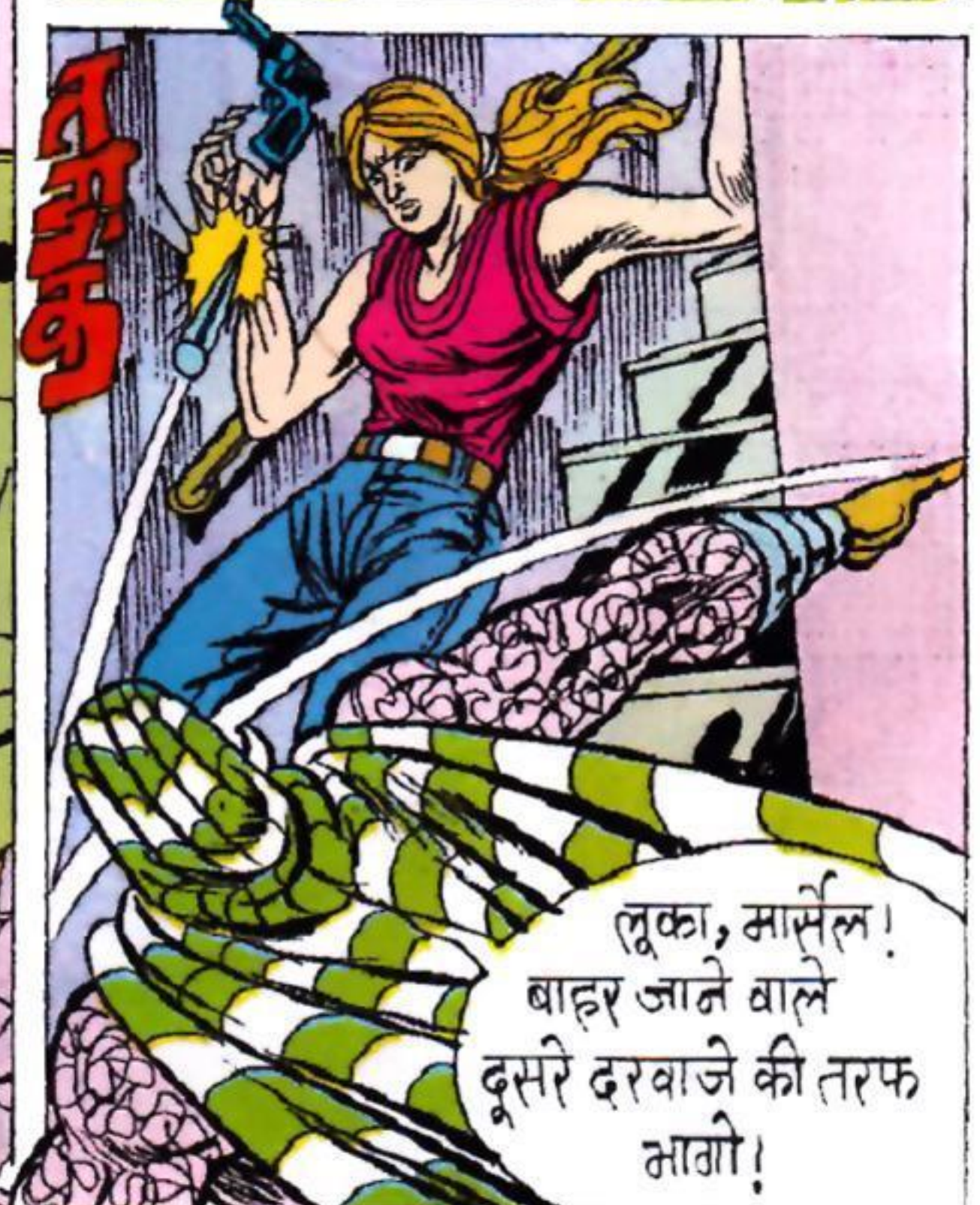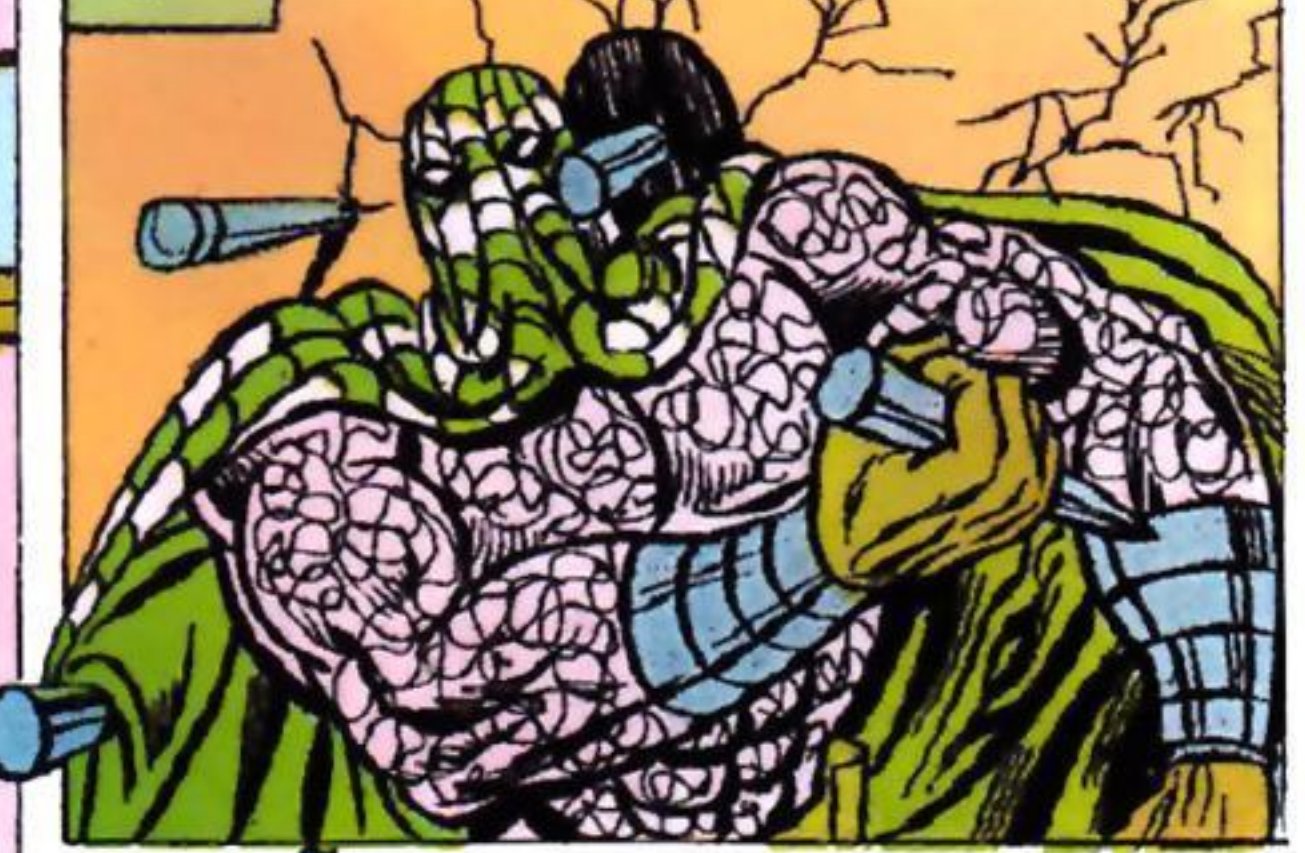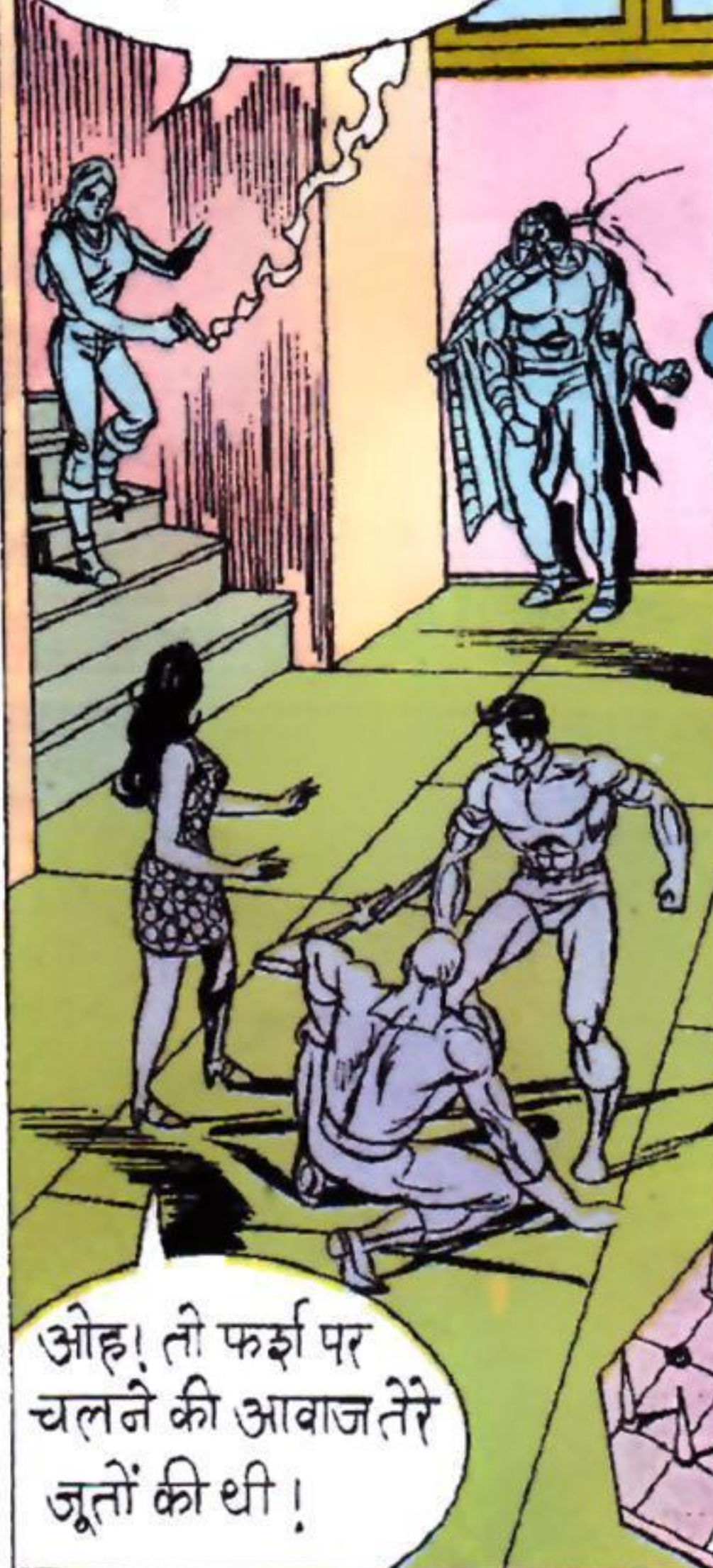
लूका और मार्सेल भी समझ गए कि अब यहां रुककर लड़ाई करने का कोई फायदा नहीं है—
आह!
तड़ाक
इससे पहले कि ध्रुव, संभलकर लूका, मार्सेल या जिग्सा को रोक पाता—

वे तीनों एक दरवाजे में घुस चुके थे—
दरवाजा बंद कर दो!

ध्रुव के दरवाजे तक पहुंच पाने से पहले ही दरवाजा बंद हो चुका था—
आह! बड़ा मजबूत दरवाजा है।
दरवाजा तोड़ने में समय बर्बाद मत करो ध्रुव! वे जरूर इस रास्ते से ऊपर ही गए होंगे।
धड़ाक
हम दूसरे रास्ते से ऊपर जाकर उनको पकड़ सकते हैं!
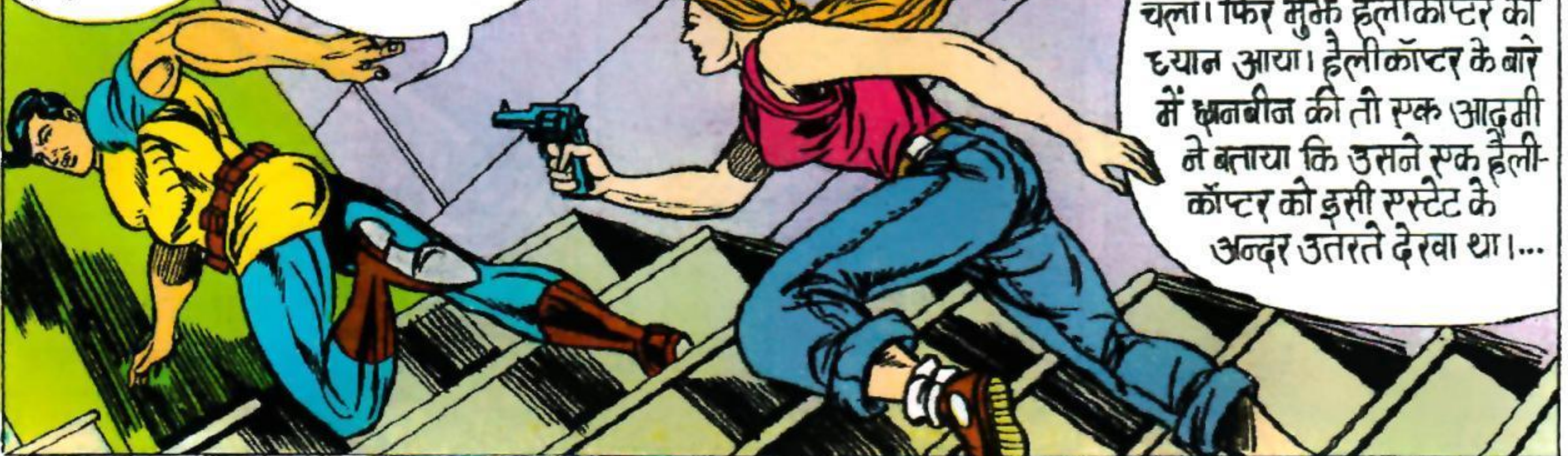
तुम ठीक कह रही हो! आओ।
लेकिन तुम एकाएक यहां पर कैसे आ गई?
मैंने इस इलाके में बहुत पूछ-ताछ की। पहले तो कुछ पता नहीं चला। फिर मुझे हेलीकॉप्टर का ध्यान आया। हेलीकॉप्टर के बारे में छानबीन की तो एक आदमी ने बताया कि उसने एक हेलीकॉप्टर को इसी एस्टेट के अन्दर उतरते देखा था।...

मैं भागी- भागी यहां पर आई! तुमको सावधान करने के लिए। लेकिन यहां पर तो सन्नाटा पड़ा हुआ था। थोड़ी देर तक तो मैंने इधर- उधर तलाश की, लेकिन कोई नजर नहीं आया।..

... मैं वापस जाने ही वाली थी कि तभी एक नकाबपोश न जाने कहां से आ गया। इससे पहले कि मैं उस पर हमला करती, उसने मुझे शान्त रहने का इशारा करके इस घड़ी के पीछे से नीचे जाने का रास्ता दिखा दिया।

और फिर, जब मैं नीचे पहुंची तो उसके बाद की बात तो तुम जानते ही हो

हां। लेकिन अब यह कैसे पता चलेगा कि इतनी बड़ी एस्टेट में वे तीनों कहां पर बाहर निकले हैं?

कहीं वे उसी हैलीकॉप्टर के जरिए भाग न निकलें।

हैलीकॉप्टर से वे भाग नहीं सकते। क्योंकि यहां आने से पहले मैंने उस हैलीकॉप्टर को ढूंढ़कर उसकी सुरक्षा के लिए कुछ पुलिसवालों को वहां पर तैनात कर दिया था।

यह तुमने अक्लमंदी का काम किया। कम से कम जिग्सा के भागने का एक रास्ता तो बन्द कर दिया!

अब उनको काफी देर तक इसी एस्टेट में रहना...

...अरे! यह आवाज कैसी थी?

ऐसा लगा जैसे कुछ टूटा हो और साथ में कोई धड़ाम से गिरा हो। आओ! आवाज उधर से आई है।

धमममम

कड़ाक

ध्रुव और वेरा भागकर, आवाज की दिशा का पीछा करते हुए-

घटनास्थल तक पहुंच गए-

जहां पर एक आश्चर्य उनका इंतजार कर रहा था-

जिग्सा! यह तो जिग्सा है।

टूटने की आवाज गमले की होगी और गिरने की आवाज जिग्सा की!

दरवाजा खुला हुआ है, और फर्श पर कई पैरों के बाहर जाने के निशान हैं। जरूर यह काम मार्सेल और लूका का है। वे समझ गए होंगे कि पुलिस अब जिग्सा का पीछा नहीं छोड़ेगी, और जिग्सा के कारण वे लोग भी खतरे में फंस जाएंगे।...

... इसीलिए उन लोगों ने डबल क्रास किया। जिग्सा के सिर पर गमला मारकर बेहोश कर दिया ताकि जिग्सा गिरफ्तार हो जाए, और वे लोग आराम से कहीं छुप सकें!

हो सकता है कि तुम्हारी थ्योरी सही हो वेरा!

लेकिन पहले यह तो देखा जाए कि यह जिग्सा आखिर है कौन?

ध्रुव के हाथ जिग्सा के मॉस्क को सरकाने लगे-

मार्सेल और लूका इसीलिए इसके प्रति स्वामिभक्त थे। क्योंकि एक इसकी बीवी थी, और दूसरा इसका बेटा! तुम्हारे पिता श्याम यानी रघुवंशी को भी इसने इसीलिए रास्ते से हटा दिया होगा, क्योंकि वे और मेरे पिता ल्यूबेक सच्चाई के काफी करीब पहुंच गए होंगे।

हूं! जो कुछ हम देख रहे हैं, उस पर तुम्हारी एक-एक बात खरी उतरती है वेरा! लेकिन इसमें वह नकाबपोश कहां फिट होता है।

मालूम नहीं! लेकिन एक बार पुलिस आकर पूरी इमारत की तलाशी लेगी तो वह नकाबपोश भी मिल जाएगा और उसकी असलियत का भी पता चल जाएगा।

मैं पुलिस को मैसेज भेजकर बुला लेती हूं।

लगभग पन्द्रह मिनट के अन्दर ही पूरी स्स्टेट पुलिस वालों से भर गई थी। जिग्सा उर्फ रघुपति को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में गिरफ्तार कर लिया था-
हमने पूरी बिल्डिंग का चप्पा-चप्पा छान मारा है ध्रुव! लेकिन न तो किसी नकाब पोश का पता मिला, और न ही मार्सेल और लूका का!
खैर! वे बचकर कहां जास्ंगे? जिग्सा पकड़ लिया गया है। तो वे भी पकड़े ही जास्ंगे। स्क बार जिग्सा होश में आ जास तो उससे सब उगलवा लेंगे।
हुम! सुनो वेरा! इधर आओ!
मुझे तुमसे कुछ काम है।
मुझे स्क हैलीकॉप्टर चाहिस। मुझे जल्दी से जल्दी पेरिस पहुंचना है। अब तुम क्यों और किसलिस जैसे सवाल मत पूछना। क्योंकि अभी मेरे पास कोई जवाब नहीं
ओ॰ के॰ ध्रुव! मुझे तुम पर भरोसा है कि तुम जो भी करोगे, उसके पीछे कुछ न कुछ मतलब जरूर होगा!
वैसे अगर तुमको किसी तरह की मदद की जरूरत हो तो...
मैं अपनी मदद का इंतजाम खुद कर लूंगा। फिलहाल तुम जल्दी करो!
और जब तक मैं कोई खबर न भेजूं तब तक तुम दादाजी के पास ही रहना!
इधर ध्रुव पेरिस जाने की तैयारी कर रहा था-
और उधर सुबह का सूरज, पेरिस को अपनी सुनहरी रोशनी में नहला रहा था-
जल्दी करो! हम यहां पर ज्यादा देर तक रुक नहीं सकते!

जल्दी कैसे करूं? 'स्क्रैमबलर' तो मिल ही नहीं रहा है। यहीं पर फिट किया था न?
तुम लोग कहीं इसे तो नहीं ढूंढ़ रहे हो?
ध्रुव!
तू... तू यहां तक कैसे आ गया?
तुम लोगों को बॉय-बॉय कहना तो भूल ही गया था। और तुम लोगों के लिए जेल के तीन वन-वे टिकट कटाए थे। वे भी देने थे।
मैं तो काफी देर से तुम लोगों का यहां पर इंतजार कर रहा था!
धड़ाकक
पर... पर तू यहां तक कैसे आ गया? और तुझे यह कैसे पता चला कि रघुपति जिवसा नहीं है?
क्योंकि 'स्क्रैमबलर' मिलने के बाद यह पक्का हो गया था कि तुम लोग यहीं पर आओगे!
वैसे भी मुख्य अपराधी जिवसा को पकड़ना बाकी था न!
यहां तक आने में तो तुमने ही मेरी मदद की है जिवसा! बेसमेंट में लड़ाई के दौरान तुमने ही स्क्रैमबलर का जिक्र करके यह बताया था कि वह एक गुप्त जगह पर लगा है!...
... उसके बाद जब मैंने अपनी और तुम्हारी मुलाकात के बारे में सोचा तो मुझे एफिल टॉवर का ध्यान आ गया। मैंने सोचा कि स्क्रैमबलर जैसे यंत्र को किसी बहुत ऊंची जगह पर ही फिट किया गया होगा, ताकि उसकी किरणें दूर-दूर तक फैल सकें। बस, ये दोनों बातें ध्यान में आते ही मैंने एफिल टॉवर को चेक करने का चांस लिया...
...और किस्मत की बात थी कि तुम लोग यहीं पर मिल गए!

जब तू इतना समझ गया है तो यह भी समझ गया होगा कि बगैर स्क्रैमबलर लिए हम यहां से जाने वाले नहीं हैं। चाहे उसके लिए हमको तेरी लाश ही क्यों न गिरानी पड़े।

ओह ताईजी...
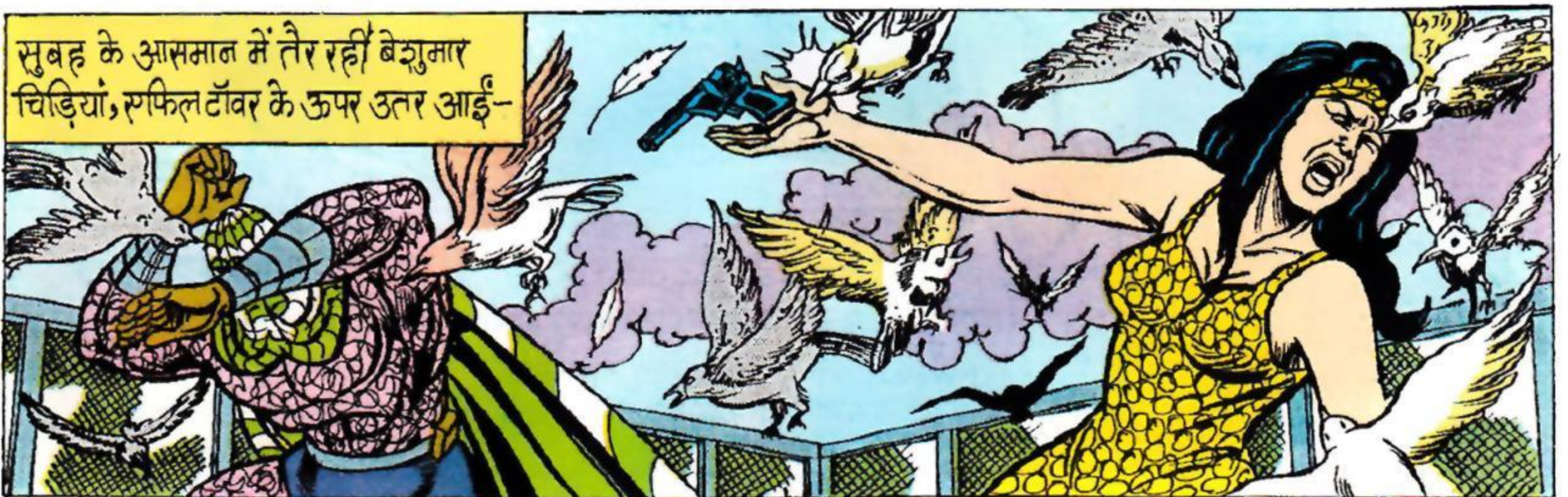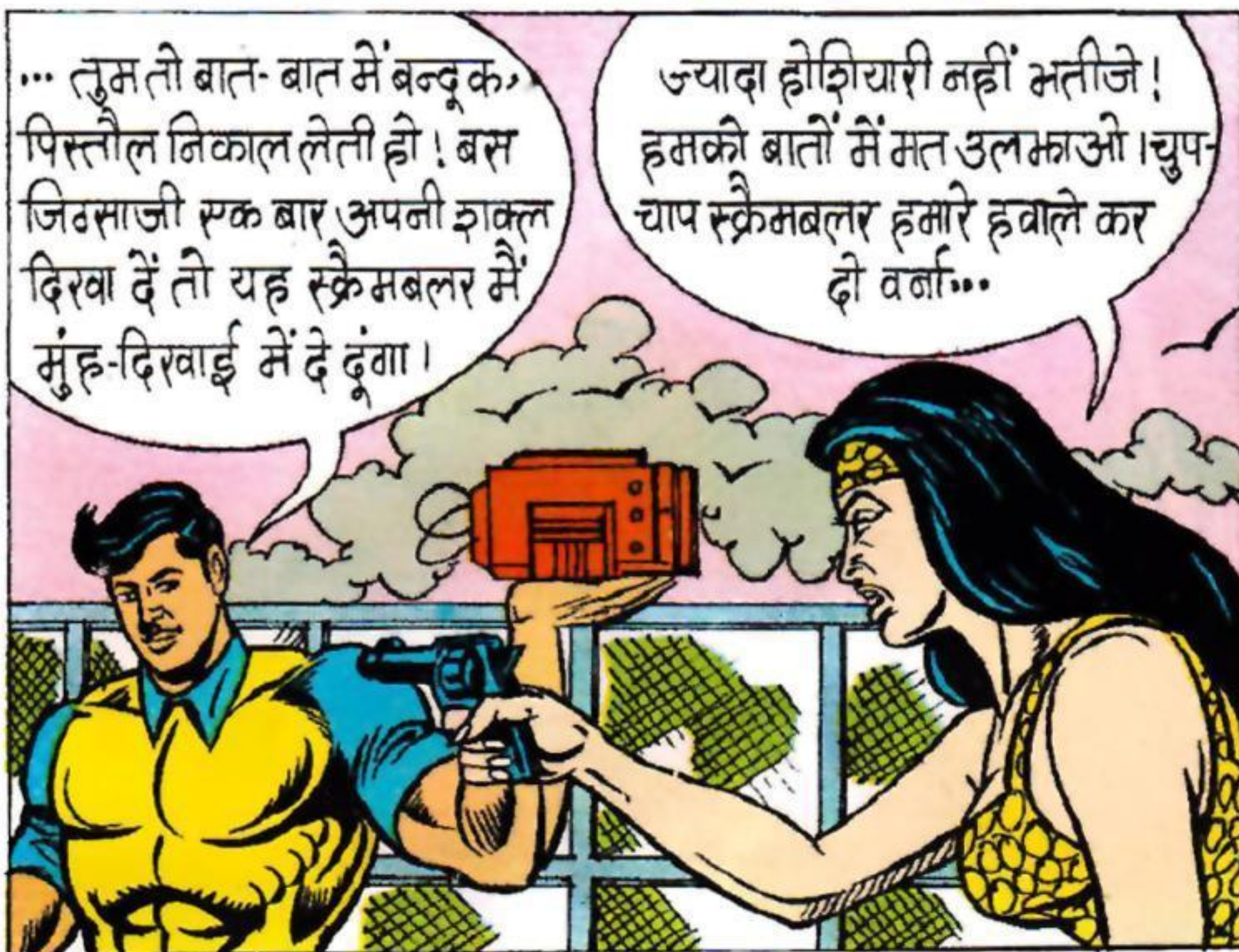
चिड़ियों के लगातार हमलों ने मार्सेल और जिगसा के कसबल ढीले कर दिए-
अब बोल जिगसा! खुद नकाब उठाएगा, या चिड़ियों से उठवा दूं?
उठाता हूं। उठाता हूं मेरे बाप!
पहले चिड़ियों को तो रोको!
ध्रुव ने एक सीटी बजाकर चिड़ियों को रोक दिया, और-
जिगसा ने नकाब उठाने में एक पल की भी देर नहीं की-
ओहो! चेहरा तो बहुत खूबसूरत है तुम्हारा। लेकिन तुम हो कौन, और तुम्हारे चेहरे का कटपीस कैसे हो गया?
मेरा असली नाम सॉटर है। मैं... मैं मार्सेल का भाई हूं। लूका का मामा। बचपन में एक जगह से चोरी करके भागते समय मैं अपने मुंह से खिड़की का कांच तोड़कर बाहर कूद पड़ा था...
... उसी से मेरा चेहरा जगह-जगह से कट गया था। बेशुमार टांके लगवाने पड़े; लेकिन फिर मेरे चेहरे पर कटने की लाइनें बची रह गईं। तभी से मेरे आदमियों ने मुझे 'जिगसा पजल' की तर्ज पर जिगसा कहना शुरू कर दिया।
... और दूसरे रघुपति के खानदान की पूरे इलाके में काफी इज्जत थी। रघुपति को फंसाने के लिए मैंने अपनी बहन मार्सेल का सहारा लिया। मार्सेल ने रघुपति को अपने रूपजाल में फंसाकर उससे शादी करली...
धीरे-धीरे जब मेरा अपराध क्षेत्र फैलने लगा तो मुझे एक सुरक्षित जगह की जरूरत महसूस हुई। मेरी तलाश रघुपति की एस्टेट पर आकर रुक गई। क्योंकि एक तो वह एस्टेट काफी बड़ी और शान्त जगह पर थी...
... फिर भी मैंने तब तक इन्तजार किया, जब तक उनके एक बेटा नहीं हो गया। उसका नाम लूका रखा गया। जब लूका छः-सात साल का हुआ तब मैंने अपना जाल फैलाना शुरू कर दिया।

रघुपति का छोटा भाई रघुवंशी बाहर रहकर पढ़ता था। इसीलिए रघुपति और उसके बाप को अंधेरे में रखकर मैंने अपना हैडक्वार्टर उसी एस्टेट में बना लिया। गड़बड़ तब शुरू हुई जब अपनी पढ़ाई पूरी करके रघुवंशी वापस आया।
थोड़ा शक उसे हुआ और बाकी की कसर उसके दोस्त इंस्पेक्टर ल्यूबेक की छानबीन ने पूरी कर दी। लेकिन इससे पहले कि वह हम तक पहुंचते, ल्यूबेक को मैंने मरवा डाला, और उसकी हत्या का इल्ज़ाम रघुवंशी पर लगवा दिया।

मार्सेल ने रघुवंशी को यह कहकर भगा दिया कि अगर वह पकड़ा गया तो उसे फांसी हो जाएगी। रघुवंशी डरकर भाग गया और आगे की कहानी तो तुम जानते ही हो!... हुश, हुश!
हां! अब और आगे की कहानी मैं तुमको बताता हूं! तुम तीनों को मैं पुलिस के हवाले करने जा रहा हूं, और...
...अब से मरने तक तुम तीनों अपनी उम्र जेल में काटोगे। अगर तुम लोगों को फांसी नहीं हुई तो!
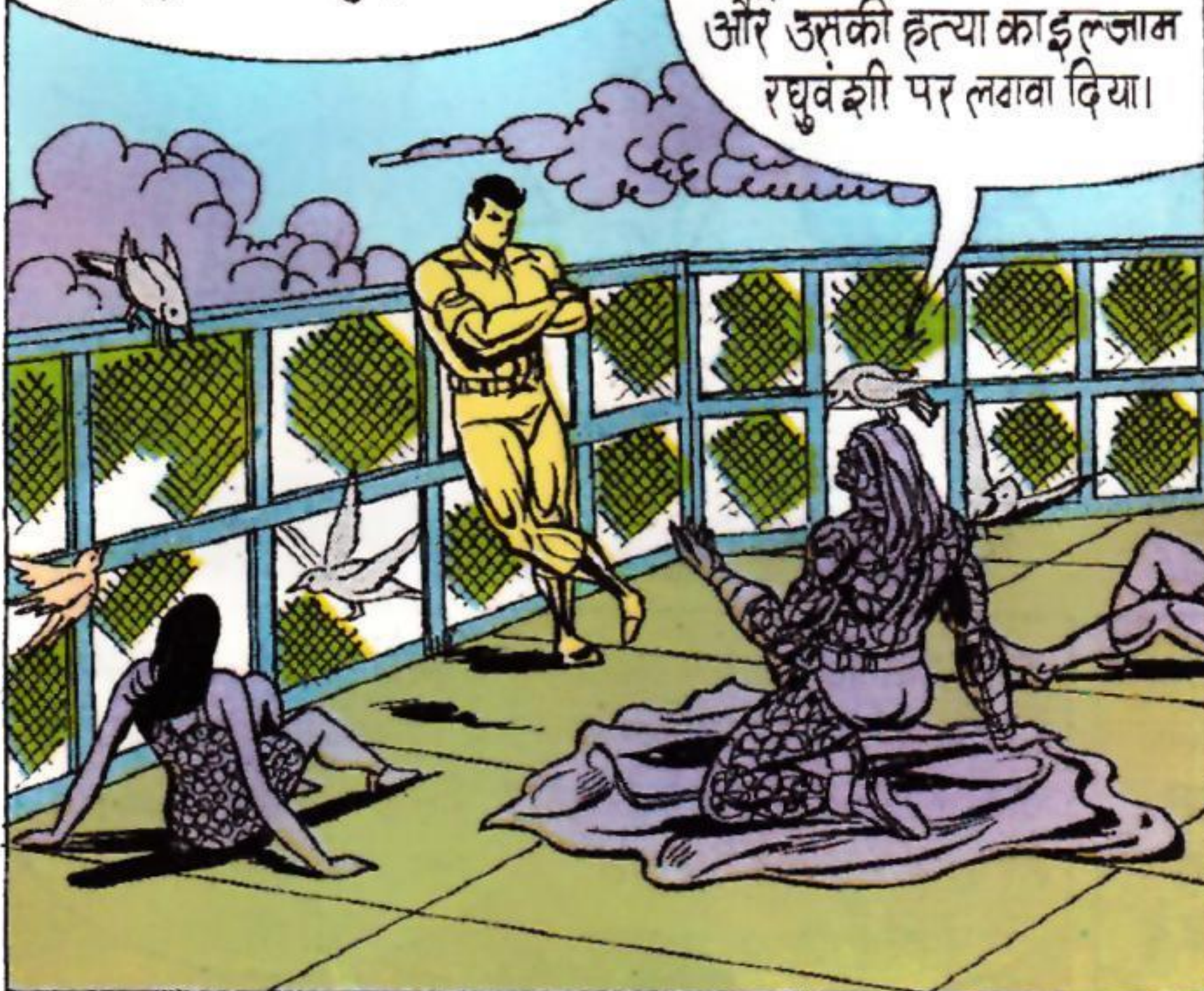
और फिर बाद में ल्योन की एस्टेट में-
तुमने तो कमाल कर दिया ध्रुव! वर्ना तो मैं कहता रहता कि मैं जिग्सा नहीं हूं और कोई यकीन ही नहीं करता!
मेरे रहते ऐसा हो ही नहीं सकता था ताऊजी!
सारी गुत्थियां सुलझ गईं। बस एक गुत्थी बाकी रह गई है। वह नकाबपोश कौन था?

उसका भी पता चल जाएगा बेटा! पहले दादाजी को देखकर आते हैं। आओ!
लेकिन एक बात तो बताइए ताऊजी! जब आप पहले से ही जिग्सा की सच्चाई जानते थे तो फिर आपने मुझे बताया क्यों नहीं?
जिग्सा ने पिताजी को मारने की धमकी देकर मुझे आतंकित कर दिया था। मैं जुबान खोलने का साहस ही नहीं कर पाया!

जल्दी ही तीनों दादाजी के पास खड़े थे-
उठिए दादाजी! अब न तो आपको पक्षाघात का रोगी बने रहने की एक्टिंग करनी है, और न ही नकाबपोश बनने की।...
...क्योंकि जिग्सा नाम का खतरा खत्म हो चुका है।

यह सोचकर मेरा सीना चौड़ा हुआ जा रहा है कि मेरा वारिस इतना बुद्धिमान और इतना जांबाज इन्सान है।

हम तो तुझे नहीं ढूंढ पाए लेकिन तूने ही हमें ढूंढ निकाला। अब तू आ गया है तो इस एस्टेट की देखभाल कर, और हमको रिटायरमेंट दे दे।

नहीं दादाजी! मेरा यहां पर रह पाना संभव नहीं है।

इन्सान को जिन्दगी तो भगवान देता है, लेकिन उसका पालन-पोषण तो पृथ्वी ही करती है। आप मेरे लिए भगवान के स्थान पर जरूर हैं...

...लेकिन मेरी पृथ्वी राजनगर है। मेरा स्थान उन लोगों के पास है जिन्होंने मुझे तब अपनाया, जब मेरा कोई नहीं था!

वैसे मैं आपलोगों से मिलने जल्दी-जल्दी आता ही रहूंगा...

...और आप लोग भी जब दिल चाहे, मेरे पास आ सकते हैं!

समाप्त.

स्थिति यकीन करने के लायक तो नहीं है पर यह सच है। मुखौटे ने चेहरे पर से उतरकर एक जिंदा रूप धारण कर लिया है। आखिर यह रहस्य है क्या? यही तो नागराज जानना चाहता है, हम भी और शायद आप भी।...

...चलिए मिलकर ढूंढ़ते हैं...

राज का राज

राज कॉमिक्स में नागराज का एक सुपर सस्पेंसफुल विशेषांक

A.H.W. TIGER SERIES
तुम लोगों ने मेरा ममीकृत शरीर और मेरा खजाना कब्र से निकालकर घातक भूल की है। अब मैं अपनी कब्र खोदने के जुर्म में पूरे राजनगर को एक रेगिस्तानी कब्रगाह बना डालूंगा।
ओफ्फ! इसके घूमते शरीर से निकलती रेत तो मुझे अंधा किए दे रही है।
by अनुपम Vinod
और मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि ये सचमुच की ममी है या ममी का रूप धरकर नाटक करने वाला कोई इंसान। अब मैं कैसे बचाऊं राजनगर पर टूटने से...
ममी का कहर
इस राज कॉमिक्स विशेषांक को आप सदियों तक सुरक्षित रखना चाहेंगे। यह ममी का वादा है।

इस 'अल्फा मैन' को रोकें तो कैसे? हमारे वार तो इसके आर-पार हो रहे हैं।
कोशिश करते रहना ही एकमात्र रास्ता है, शक्ति!
तुम्हारी अग्नि के कारण ये नजर आ रहा है। वर्ना हम तो इसे देख भी न पाते।
by अनुपम
120 पृष्ठों में फैली राज कॉमिक्स की एक गौरवशाली भेंट
अप्रैल 2000 में उपलब्ध
कुछ भी हो जाए दोस्तो, पर इसे, इस अंधी बच्ची तक नहीं पहुंचने देना है क्योंकि सिर्फ यही एक है जिसकी दृष्टि इसके रेडिएशन रूप को देख सकती है।...अगर इसे कुछ हो गया, तो अल्फा मैन मचाता रहेगा, पूरी दिल्ली में...
कोहराम
ऐसा कहर न तो पहले कभी पृथ्वी पर बरसा है और न ही बरसेगा।